RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:240 ता. 13 मार्च 2024, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रमजान पर देशवासियों को दी बधाई

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रमजान की पूर्व संध्या पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सभी को रमजान की शुभकामनाएं। मेरी कामना है कि यह पवित्र महीना सभी के जीवन में खुशियां, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि लाए। रमजान का पवित्र महीना मंगलवार से शुरू हो रहा है क्योंकि सोमवार को देश के विभिन्न हिस्सों में रमजान का चांद देखा गया।

करदाताओं की संख्या बढ़ाने के लिए 'परामर्श' का सहारा लेना चाहिए: धनखड़

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को करदाताओं की संख्या बढ़ाने का आह्वान करने के साथ ही कहा कि यह काम आक्रामक तौर-तरीकों के बजाय परामर्श के जरिये अंजाम दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही उपराष्ट्रपति ने कहा कि नागरिक-केंद्रित पहल ने कर प्रशासन में लोगों का भरोसा बढ़ाया है। धनखड़ ने यहां भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के प्रशिक्षु अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले दशक में प्रत्यक्ष कर संग्रह में तीन गुना वृद्धि देखी गई है और आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले लोगों की संख्या लगभग ढाई गुना बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि करदाताओं के साथ कर प्रशासक का रिश्ता अब एकजुटता और सर्वसम्मति का है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आयकर विभाग के पास अब लोगों के पुराने लेनदेन के बारे में जानने, जागरूकता बढ़ाने और कर अनुपालन के लिए एक तंत्र है। उन्होंने कहा कि विभाग व्यक्तियों तक पहुंचने और आसान कर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी रूप से भी सुसज्जित है। इसके साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि संभावित करदाताओं को औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा होने के लाभ के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। धनखड़ ने कहा, 'कर संग्रह की क्षमता में अब भी काफी गुंजाइश है। यह 1.4 अरब लोगों का देश है और हमारी जनसंख्या के अनुपात में करदाताओं की संख्या वांछनीय नहीं है। हमें यह संख्या बढ़ाने की जरूरत है।' उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा, 'करदाताओं की संख्या आक्रामक कार्रवाइयों से या जबर्दस्ती नहीं बल्कि परामर्श का सहारा लेकर बढ़ाई जानी चाहिए और मुझे यकीन है कि आप हमेशा ऐसा करेंगे।'

अगर एनआरसी के लिए आवेदन नहीं करने वाले एक भी व्यक्ति को नागरिकता मिली तो इस्तीफा दे दूंगा: हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि अगर राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के लिए आवेदन नहीं करने वाले किसी व्यक्ति को नागरिकता मिल जाती है तो वह इस्तीफा देने वाले पहले व्यक्ति होंगे। उनकी टिप्पणी सोमवार को विवादास्पद नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 (सीएए) को लागू करने पर केंद्र सरकार की विपक्षी दलों द्वारा की जा रही आलोचना और पूरे असम में हो रहे विरोध प्रदर्शन के बीच आई है। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर, 2014 से पहले भारत आए गैर-मुस्लिम प्रवासियों- हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदायों के लोगों को भारत की नागरिकता प्रदान करने की अनुमति देता है। मुख्यमंत्री ने शिवसागर में एक कार्यक्रम से इतर कहा, 'मैं असम का बेटा हूं और अगर एनआरसी के लिए आवेदन नहीं करने वाले एक भी व्यक्ति को नागरिकता मिलती है, तो मैं इस्तीफा देने वाला पहला व्यक्ति होऊंगा।' प्रदर्शनकारियों का दावा है कि सीएए लागू होने पर लाखों लोग राज्य में प्रवेश करेंगे। उन्होंने कहा, 'अगर ऐसा हुआ तो सबसे पहले मैं विरोध करुंगा।' मुख्यमंत्री ने कहा, सीएए के बारे में कुछ भी नया नहीं है क्योंकि यह पहले लागू किया गया था और 'अब पोर्टल पर आवेदन करने का समय आ गया है।' शर्मा ने कहा, 'पोर्टल पर डेटा से यह स्पष्ट हो जाएगा कि अधिनियम का विरोध करने वालों के दावे तथ्यात्मक रूप से सही हैं या नहीं।'

भाजपा के लिए सर्वोपरि है संविधान, पूरे किए वादे : अनुराग ठाकुर

चंडीगढ़/नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने ममता बनर्जी और इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा है कि ममता बनर्जी ने इंडी गठबंधन में सबसे पहले घमंड और अहंकार दिखाया। ममता बनर्जी ने ना कांग्रेस को पूछा, ना राहुल गांधी के कार्यक्रम में गईं और फिर 42 की 42 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार दिए। उन्होंने कहा कि इसी तरह से कम्युनिस्ट पार्टी ने वायनाड में अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया। आज कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश से पलायन कर चुकी है। पंजाब में आम आदमी पार्टी के मुख्यमंत्री विधानसभा में कांग्रेस को बुरी तरह से धोते हैं। अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को चंडीगढ़ में 'खेलो इंडिया राइजिंग टैलेंट आइडेंटिफिकेशन प्रोग्राम' का शुभारंभ करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'कुछ लोग खुद को देश और देश के कानून से ऊपर समझते हैं। भाजपा संविधान से चलने वाली और संविधान से देश चलाने वाली पार्टी है। हमारे लिए संविधान सर्वोपरि है।

दस साल का काम सिर्फ ट्रेलर, हमें लंबा रास्ता तय करना है: प्रधानमंत्री

पीएम बोले- हम देश के विकास के लिए काम करते हैं न चुनाव जीतने के लिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को अहमदाबाद में एक लाख छह हजार करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना के कई प्रमुख खंड राष्ट्र को समर्पित किए और 10 नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा कि 10 साल का काम सिर्फ ट्रेलर है, उन्हें लंबा रास्ता तय करना है।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि स्वतंत्रता के बाद सरकारों ने सामाजिक कल्याण पर राजनीतिक लाभ को प्राथमिकता दी। इसका रेलवे क्षेत्र पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ा। सरकार का जोर भारतीय रेलवे को आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल का माध्यम बनाने पर है। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले तक 6 पूर्वोत्तर राज्यों की राजधानियों में रेलवे स्टेशन नहीं थे। उनकी सरकार ने रेलवे क्षेत्र का परिदृश्य पूरी तरह बदल दिया। इस क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए हमने औसत रेल बजट को 2014 से पहले के बजट की तुलना में 6 गुना बढ़ा दिया। इन रेलवे ट्रेनों, ट्रैक और स्टेशनों का निर्माण मेड इन इंडिया का एक इको सिस्टम तैयार कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल, सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम, मैसूरू-डॉ एमजीआर सेंट्रल (चेन्नई), पटना-लखनऊ, न्यू जलपाईगुड़ी-

पटना, पुरी-विशाखापत्तनम, लखनऊ-देहरादून, कलबुर्गी-सर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलुरू, रांची-वाराणसी, खजुराहो-दिल्ली (निजामुद्दीन) के बीच 10 नई वंदे भारत ट्रेनों को आज हरी झंडी दिखाई। साथ ही चार वंदे भारत ट्रेनों के विस्तार को हरी झंडी दिखाई। अहमदाबाद-जामनगर वंदे भारत को द्वारका, अजमेर-दिल्ली सराय रोहिल्ला वंदेभारत को चंडीगढ़, गोरखपुर-लखनऊ वंदे भारत को प्रयागराज, तिरुवनंतपुरम-कासरगोड वंदे भारत को मंगलुरू तक बढ़ाया जा रहा है।

उन्होंने न्यू खुर्जा जंक्शन, साहनेवाल, न्यू रेवाड़ी, न्यू किशनगढ़, न्यू घोलवड और न्यू मकरपुरा से डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर मालगाड़ियों को भी झंडी दिखाई। 50 प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र राष्ट्र को समर्पित, 51 गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल भी राष्ट्र को समर्पित, 35 रेल कोच रेस्तरां राष्ट्र को समर्पित किए। उन्होंने कहा, ÷मैं आज देश को गारंटी दे रहा हूं कि अगले 5 साल में आप भारतीय रेल का ऐसा कायाकल्प होते देखेंगे, जिसकी आपने कल्पना नहीं की होगी। आज का ये दिन इसी इच्छाशक्ति का जीता-जागता सबूत है।÷

उन्होंने कहा कि रेलवे का कायाकल्प भी विकसित भारत की गारंटी है। आज रेलवे में अभूतपूर्व गति से नए रिफॉर्म्स हो रहे हैं। तेज गति से नए रेलवे ट्रैक का निर्माण, 1300 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण, वंदे भारत, नमो भारत, अमृत भारत जैसी नेक्स्ट जेनरेशन ट्रेन, आधुनिक रेलवे इंजन और कोच फैक्टियां, ये सब 21वीं सदी की भारतीय रेल की तस्वीर बदल रही हैं।

प्रधानमंत्री ने आज दहेज में पेट्रोनेट एलएनजी के पेट्रोकेमिकल्स कॉम्प्लेक्स की आधारशिला भी रखी। उन्होंने कहा कि हमारे लिए ये विकास परियोजनाएं सरकार बनाने के लिए नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का मिशन हैं। 2024 के 75 दिनों में 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन या शिलान्यास किया गया है। वहीं, पिछले 10-12 दिनों में 7 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं का अनावरण किया गया है।

नायब सैनी बने हरियाणा के नए सीएम

-मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने से पहले सैनी ने खट्टर से लिया आशीर्वाद

-शपथ ग्रहण समारोह से दूर रहे अनिल विज

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा को भाजपा ने एक और नया मुख्यमंत्री देकर लोकसभा चुनाव साधने की तैयारी कर ली है। आज दिनभर चले सियासी घटनाक्रम के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सैनी ने राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह के दौरान हरियाणा के नए सीएम के पद की शपथ ले ली है।

एक सादे समारोह में मंगलवार की शाम हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने सैनी को मुख्यमंत्री के पद की शपथ दिलाई। सीएम के साथ ही पांच मंत्रियों ने भी शपथ ली है। शपथ लेने से पहले नायब सैनी ने पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के पैर छूकर आर्शीवाद लिया। गौरतलब है कि सीएम सैनी ओबीसी वर्ग से ताल्लुक रखते हैं और वह कुरुक्षेत्र से सांसद भी हैं। ऐसे में समझा जा रहा है कि भाजपा उनके जरिए प्रदेश में ओबीसी वर्ग को साध कर लोकसभा चुनाव साधने का काम करने जा रही है।

सैनी के साथ इन्होंने ली मंत्री पद की शपथ

राजभवन में आयोजित सादे समारोह में कंवर पाल गुर्जर ने भी मंत्री पद और गोपनीयता की शपथ ली है। गौरतलब है कि गुर्जर खट्टर सरकार में शिक्षा मंत्री थे। इनके अलावा मूलचंद शर्मा ने भी कैबिनेट मंत्री के तौर पर राजभवन में शपथ ली है। निर्दलीय विधायक रणजीत सिंह ने भी कैबिनेट मंत्री की शपथ लिए हैं। जय प्रकाश दलाल और डॉक्टर बनवारी लाल को भी हरियाणा के मंत्री पद की शपथ दिलाई गई है। इस शपथ ग्रहण समारोह में अनिल विज नहीं पहुंचे, उनकी नाराजगी को इसका मुख्य कारण माना जा रहा है।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा में राहुल गांधी ने किया वादा, सरकार बनी तो कांग्रेस कराएगी जाति जनगणना और आर्थिक सर्वे

मुंबई । राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा अंतिम चरण में महाराष्ट्र के नंदुरबार पहुंची। यह जगह कभी कांग्रेस का गढ़ हुआ करती थी। मंगलवार को राहुल ने जनता से कहा- अगर उनकी पार्टी की सरकार बनी जाति जनगणना और आर्थिक सर्वे कराएगी। साथ ही वन अधिकार अधिनियम को भी मजबूत करेगी। राहुल ने कृषि और वन उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी देने वाला कानून लाने का भी वादा किया। नंदुरबार वही सीट है, जहां 47 साल तक कांग्रेस को कोई हरा नहीं पाया था। पिछली बार 2010 में सोनिया गांधी ने नंदुरबार का दौरा किया था। करीब 14 साल बाद गांधी परिवार से कोई सदस्य यहां पहुंचा है। यह जगह इसलिए भी खास है, क्योंकि 2010 में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने आधार कार्ड की लॉन्चिंग नंदुरबार के तेंभली गांव से की थी।

भाजपा ने किया आदिवासियों को जंगलों से बेदखल

राहुल ने यात्रा के दौरान कहा कि भाजपा ने वन अधिकार अधिनियम, भूमि अधिग्रहण अधिनियम जैसे कानूनों को कमजोर कर दिया है। हम न केवल उन्हें मजबूत करेंगे बल्कि यह सुनिश्चित करेंगे कि आदिवासियों के दावों का निपटारा एक साल के भीतर किया जाए। राहुल ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकारों ने वन अधिकार अधिनियम के तहत हजारों दावों को गलत तरीके से खारिज कर दिया और आदिवासियों को जंगलों तक पहुंच से वंचित कर दिया।

पोखरण में भारत शक्ति अभ्यास... भारत में बने हथियारों ने भारत-पाक बॉर्डर पर दिखाई ताकत...

जैसलमेर। एशिया की सबसे बड़ी फील्ड फायरिंग रेंज में मंगलवार को तीनों सेनाओं ने भारत शक्ति युद्धाभ्यास के जरिए भारत में बने हथियारों की ताकत दिखाई। इस युद्धाभ्यास को देखने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जैसलमेर जिले के पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में पहुंचे। युद्धाभ्यास में ध्रुव हेलिकॉप्टर भारतीय सेना के कमांडो को दुश्मनों के ठिकानों तक ले गया और वहां जवानों ने आतंकियों का खात्मा किया। वहीं, तेजस विमान ने दुश्मन के टैंकों पर हमला बोलकर उन्हें नेस्तनाबूद कर दिया। इसके साथ ही पिनाका मिसाइल, नाग मिसाइल, मल्टि यूटिलिटी व्हीकल और ड्रोन हमलों से दुश्मन के ठिकानों पर हमले किए गए। इस अवसर पर मोदी ने कहा कि आसमान में यह गर्जना, जमीन पर जांबाजी, चारों दिशाओं में गूंजता विजय घोष नए भारत का आह्वान है। आज हमारा पोकरण एक बार फिर भारत की आत्मनिर्भरता, भारत के आत्मगौरव का साक्षी बना है। यही पोकरण है जो भारत की परमाणु शक्ति का साक्षी रहा है। यहीं पर आज हम स्वदेशीकरण से सशक्तिकरण का दम देख रहे हैं। भारत शक्ति का यह उत्सव शौर्य की भूमि राजस्थान में हो रहा है, लेकिन इसकी गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दे रही है। कल ही भारत ने लंबी दूरी की क्षमता वाली अग्नि मिसाइल का परीक्षण किया है। दुनिया के बहुत कम देशों के पास इस तरह की आधुनिक टेक्नोलॉजी है।

पिछली सरकारों ने ऑर्डनेंस फैक्ट्री को बर्बाद किया- मोदी ने कहा कि जिन्होंने देश पर दशकों तक शासन किया, उन्होंने देश की सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया। पहला घोटाला ही सेना की खरीदी में किया। 2014 में रक्षा सौदों में घोटालों की चर्चा होती थी। सेना के पास गोला-बारूद नहीं होने की चिंताएं सामने आती थीं। उन्होंने हमारी ऑर्डनेंस फैक्ट्री को बर्बाद कर दिया। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को बर्बाद कर दिया, हमने उसे सबसे ज्यादा मुनाफा देने वाली कंपनी बना दिया। वे वीर बलिदानों के लिए एक राष्ट्रीय स्मारक भी नहीं बनवा पाए।

सुप्रीम कोर्ट की फटकार का असर, स्टेट बैंक ने चुनावी बॉन्ड्स से जुड़ी जानकारी चुनाव आयोग को भेजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की फटकार के एक दिन बाद एसबीआई ने चुनाव आयोग को चुनावी बांड का डेटा सौंपा। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की पीठ ने समय बढ़ाने की मांग करने वाली एसबीआई की याचिका को खारिज कर दिया और उसे 12 मार्च को व्यावसायिक घंटों के अंत तक चुनाव आयोग को चुनावी बांड के विवरण का खुलासा करने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने पोल पैनल को 15 मार्च को शाम 5 बजे तक अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर चुनावी बांड का विवरण प्रकाशित करने का भी निर्देश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने 15 फरवरी को दिए अपने फैसले में इसे असंवैधानिक करार दिया था। उसी फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को निर्देश दिया था कि 12 अप्रैल 2019 के बाद से हुई चुनावी बॉन्ड की खरीद से जुड़े डीटेल्स 6 मार्च 2024 तक इलेक्शन कमिशन को सौंप दे। ऐसे में लगभग इस पूरी अवधि के निकल जाने के बाद एसबीआई सुप्रीम कोर्ट के पास 30 जून तक का वक्त देने का अनुरोध लेकर आया।

चुनाव आयोग ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि 15 फरवरी और 11 मार्च, 2024 के अपने आदेश में शामिल स्वच्छ को सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में भारतीय स्टेट बैंक द्वारा आज भारतीय चुनाव आयोग को चुनावी बांड पर डेटा प्रदान किया गया है।

अब दूसरे किसान संगठन ने लगाई हुंकार, महापंचायत में तय करेंगे रणनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसानों का रेल रोको आंदोलन फेल होने के बाद संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने फिर से आंदोलन की हुंकार भरी है। इसके लिए 14 मार्च को महापंचायत बुलाई गई जिसमें रणनीति तैयार की जाएगी। नई दिल्ली के रामलीला मैदान में किसान महापंचायत बुलाई है। इसमें देशभर के किसान, खासकर उत्तर भारत के किसान बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

दिल्ली पुलिस के डीसीपी हर्षवर्द्धन और एसकेएम नेताओं के साथ कई दौर की बैठकें हुई हैं। संयुक्त किसान मोर्चा की राष्ट्रीय समन्वय समिति के सदस्य मिंदर सिंह पटियाला ने बताया कि 8 मार्च को दिल्ली पुलिस उप आयुक्त के साथ बैठक हुई थी, जिसमें उन्होंने सकारात्मक रुख दिखाया है। उन्होंने कहा, हम दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अधिकारियों से भी मिले, जिन्होंने हमें बताया कि अगर दिल्ली पुलिस अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दे देती है तो एमसीडी भी महापंचायत के लिए आसानी से एनओसी दे देगी।हालांकि, अभी तक किसान संगठन को दिल्ली पुलिस और दिल्ली नगर निगम से महापंचायत करने की हरी झंडी नहीं मिली है। संयुक्त किसान मोर्चा के चार सदस्यों की समिति अभी भी दिल्ली पुलिस और एमसीडी के अधिकारियों से महापंचायत करने की इजाजत लेने की कोशिशें में जुटी है। एसकेएम किसानों का वही संगठन है, जिसने वर्ष 2020-21 के किसान आंदोलन का नेतृत्व किया था। एसकेएम ने पहले न्यूनतम समर्थन मूल्य पर एक कानून सहित किसानों की मांगों को स्वीकार करने के लिए केंद्र पर दबाव बनाने के लिए किसान महापंचायत आयोजित करने की घोषणा की थी। बैठक के बाद दूसरे एसकेएम नेता दर्शन पाल ने कहा कि पंजाब के किसान बड़ी संख्या में महापंचायत में भाग लेने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि महापंचायत शांतिपूर्ण होगी। पाल ने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों से किसान ट्रैक्टर ट्रॉलियों के बजाय बसों और ट्रेनों से दिल्ली जाएंगे।एक सवाल के जवाब में उन्होंने

कहा, चुनाव होने वाले हों या न होने वाले हों, इससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है। हमारी मांगें पूरी होने तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य राजनीतिक दलों पर चुनावी घोषणापत्र में अपनी मांगों को शामिल करने के लिए दबाव बनाना है।

आठ राज्यों के राजमार्गों के उन्नयन के लिए 9982.15 करोड़ रुपये मंजूर : गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 12 मार्च (वेब वार्ता)। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने आठ राज्यों में राष्ट्रीय राजमार्गों के उन्नयन को स्वीकृति प्रदान की है। केंद्रीय मंत्री ने मंगलवार को एक्स हैंडल पर यह जानकारी साझा की है।

केंद्रीय मंत्री ने इन राज्यों में राष्ट्रीय राजमार्गों के उन्नयन के लिए 9982.15 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इसमें उत्तराखंड, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा, जम्मू कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश और झारखंड का नाम शामिल है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने देश के इन राज्यों के राजमार्गों के उन्नयन की मंजूरी देने के साथ एक्स हैंडल पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इससे कनेक्टिविटी में सुधार होगा। सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा बढ़ेगी और यात्रा का समय कम होगा। शहर में यातायात की भीड़ कम होगी। केंद्रीय मंत्री ने उत्तराखंड में उधम सिंह नगर और नैनीताल जिलों में राष्ट्रीय राजमार्ग 121 (नया 309) के काशीपुर से रामनगर खंड के उन्नयन के लिए 494.45 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। कर्नाटक के बेल्लारी और अनंतपुर जिलों में 13.087 किलोमीटर तक फैले राष्ट्रीय राजमार्ग 150-ए के लिए 626.01 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। केंद्रीय मंत्री ने आंध्र प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग-716 पर तमिलनाडु व आंध्र प्रदेश सीमा से पुत्तूर (20.03 किलोमीटर) तक फैले मौजूदा 2-लेन पेव्ड शोल्डर के विस्तार के लिए 1346.81 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। इसी तरह से ओडिशा के संबलपुर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए 374.17 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय राजमार्ग-444 पर शोपियां बाईपास के निर्माण के लिए 224.44 करोड़ रुपये मंजूर किए और अरुणाचल प्रदेश पर राष्ट्रीय राजमार्ग-913 के लिए आठ पैकेजों में 265.49 किलोमीटर के निर्माण के लिए 6621.62 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। केंद्रीय मंत्री ने झारखंड के दुमका जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 114-ए के टावर चौक से बासुकीनाथ खंड को चार लेन बनाने के लिए 292.65 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है।

भारी सुरक्षा के बीच एक-दूजे के हुए काला जठेड़ी और अनुराधा

नई दिल्ली । कुख्यात गैंगस्टर संदीप उर्फ़ काला जठेड़ी और लेडी डॉन अनुराधा चौधरी ने मंगलवार को शादी कर ली। दोनों दिल्ली के द्वारका स्थित संतोष पैलेस में शादी के बंधन में बंध गए। इस मौके पर सुर्ख लाल जोड़े में अनुराधा नजर आई, जबकि काला जठेड़ी कुर्ता-पायजामा और सदरी पहने हुआ था। इसके पहले लेडी डॉन खुद स्कॉर्पियो ड्राइव करके सोनीपत से दिल्ली पहुंची।उसके साथ परिवार के लोग भी मौजूद हैं। दिल्ली में हो रही चर्चित शादी समारोह की सुरक्षा में अत्याधुनिक हथियारों लैश कमांडो तैनात हैं। ड्रोन से पूरे इलाके पर नजर रखी जा रही है। हॉल के आसपास की छतों पर दिल्ली पुलिस के जवान तैनात हैं। सभी पुलिसकर्मियों ने बॉडी कैमरा लगा रखा है। शादी में आने वाले मेहमानों को मोबाइल फोन लेकर अंदर जाना मना है। हाई कोर्ट के आदेश के तहत गैंगस्टर काला जठेड़ी को मंगलवार सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक की पैरोल मिली है। इस कारण 4 बजे से पहले ही सारी रस्में पूरी की जा रही हैं। तिहाड़ जेल से भारी सुरक्षा बल के साथ डॉन शादी हॉल में पहुंचा। इसके बाद स्टेज पर जाकर कुछ देर अपनी होने वाली पत्नी अनुराधा चौधरी के साथ बैठा। फिर दोनों शादी के मंडप में पहुंचे, जहां डॉन ने लेडी डॉन को सिंदूर लगाया।

सीएए लागू होते ही देश के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ाई

नई दिल्ली। नागरिकता संशोधन अधिनियम यानी सीएए का नोटिफिकेशन जारी होते ही देश के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद कर दी गई है। दिल्ली में 2020 में सीएए के खिलाफ हुए प्रदर्शन के बाद दंगे भड़क गए थे।पुलिस यहां सुरक्षा को लेकर कोई लापरवाही बरतना नहीं चाहती है।इसिलये उत्तर-पूर्वी दिल्ली में भी सुरक्षा बढ़ा दी है। सोमवार को नोटिफिकेशन जारी होने से पूर्व पूरे जिले में फ्लैग मार्च निकालने के अलावा सघन तलाशी अभियान भी चलाया गया। कई जगह पुलिस ने ड्रोन का इस्तेमाल किया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोनों समुदाय के लोगों से बातचीत की जा रही है। अमन कमेटी की अब तक 29 बैठकें हो चुकी हैं इसमें एक बैठक जिला स्तर पर हुई। जिला पुलिस उपायुक्त डॉ जॉय टिर्की ने बताया कि सीएए को लेकर लोगों में गलत-फहमी को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वह अफवाहों पर ध्यान न दें। यदि कोई माहौल खराब करने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। हर थाने की पुलिस टीम को क्षेत्र के सभी बदमाशों व संदिग्ध लोगों की लिस्ट बनाकर उन पर नजर रखने के लिए कहा गया है। पुलिस ने आम लोगों से बिल्कुल भी न घबराने की अपील की है।

जैसलमेर के निकट तेजस लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट सुरक्षित

नयी दिल्ली। भारतीय वायुसेना का एक हल्का लड़ाकू विमान तेजस प्रशिक्षण उड़ान के दौरान मंगलवार को राजस्थान के जैसलमेर के नजदीक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वायुसेना ने यह जानकारी दी। वायुसेना ने बताया कि विमान का पायलट उससे सुरक्षित बाहर निकल गया। दुर्घटना के कारण का पता लगाने के लिए जांच का आदेश दिया गया है। वायुसेना ने एक संक्षिप्त बयान में कहा, ''भारतीय वायुसेना का एक हल्का लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस आज एक प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हालांकि, पायलट इससे सुरक्षित बाहर निकल गया।

खावडा और अबडासा के बाद अंजार में अतिक्रमणों पर चला बुलडोजर, तीन दरगाहों और एक मंदिर जमींदोज

कच्छ। गुजरात में अवैध निर्माणों के खिलाफ प्रशासन की कार्यवाही जारी है। इसके अंतर्गत कच्छ के अंजार से लेकर देवभूमि द्वारका के सलाया तक अवैध निर्माणों को तोड़ा गया है। कच्छ में जहां पिछले कई दिनों से अवैध अतिक्रमण हटाने का काम चल रहा है, वहीं आज अंजार में धार्मिक अतिक्रमण पर फिर से बुलडोजर चल गया। सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बनी तीन दरगाहों और एक मंदिर ढहा दिया गया। पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रशासन ने अतिक्रमणों का सफाया कर दिया। दूसरी ओर देवभूमि द्वारका के सलाया बंदरगाह में पिछले कुछ दिनों से चल रहा तोड़फोड़ का काम भी आज पूरा हो गया। यहां पुराने रेलवे स्टेशन क्षेत्र में 54 अतिक्रमण हटा दिए गए हैं। जिससे लगभग 1 करोड़ की सरकारी जमीन को दबाव से मुक्त कराया गया है। गैरकानूनी निर्माणों को दूर करने के साथ ही सिस्टम का संदेश साफ है कि धर्म के नाम पर भी कोई अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अंजार से हटाए गए धार्मिक अतिक्रमणों में हाजीपीर की दरगाह, नागेशापीर की दरगाह, वल्लीपीर की दरगाह और मामादेव मंदिर शामिल हैं। गौरतलब है कि इससे पहले कच्छ के अबडासा और खावड़ा में भी इसी तरह के ऑपरेशन को अंजाम दिया गया था।

59 फीसदी भारतीयों ने माना, एआई से काम आसान होगा

नई दिल्ली । आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर भारतीयों का नजरिया सकारात्मक है। एक नई रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। करीब 59 फीसदी भारतीयों का मानना है कि एआई से काम आसान होगा और बेहतर परिणाम आएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, करीब 80 प्रतिशत भारतीयों और विश्व स्तर पर 73 प्रतिशत लोगों ने जेनरेटिव एआई को इंटरनेट के उदय जितना ही योग्य होने की हिमायत की। सर्वे एआई जैसी उभरती टेक्नोलॉजी के प्रति भारत की बढ़ती सहमति और उत्साह को दर्शाता है। भारत स्थिरता, गतिशीलता, विनिर्माण और दैनिक जीवन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में एआई-संचालित समाधानों के लिए उत्सुक है। सर्वे में भारत सहित सात देशों में 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोग शामिल हुए। सर्वे में शामिल होने वाले विश्व के 64 प्रतिशत लोगों ने एआई को भविष्य में सबसे प्रभावशाली तकनीक के रूप में रैंकिंग दी है। रिपोर्ट में भारतीयों के बीच आशावाद की एक मजबूत भावना का पता चला है, जिसमें 76 प्रतिशत व्यक्तिगत रूप से एआई के नेतृत्व वाले हस्तक्षेप के आगामी युग के लिए तैयार महसूस करते हैं। करीब 81 प्रतिशत भारतीयों और 71 प्रतिशत विश्व के जवाबकर्ताओं का मानना है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए तकनीकी प्रगति महत्वपूर्ण होगी।

चीन को भारत की दो टूक, अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा था और हमेशा रहेगा

नई दिल्ली । भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया अरुणाचल प्रदेश यात्रा पर चीन की टिप्पणियों को सिरे से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सख्त बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की पूर्वोत्तर राज्य की यात्रा पर चीन द्वारा आपत्ति जताना तर्कसंगत नहीं है। मोदी सरकार ने दोहराया कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बयान में कहा कि हम प्रधानमंत्री की अरुणाचल प्रदेश यात्रा के संबंध में चीनी पक्ष द्वारा की गई टिप्पणियों को खारिज करते हैं। भारतीय नेता समय-समय पर अरुणाचल प्रदेश का दौरा करते हैं, जैसे वे भारत के अन्य राज्यों का दौरा करते हैं। ऐसी यात्राओं या भारत की विकासात्मक परियोजनाओं पर आपत्ति करना उचित नहीं है। दरअसल पीएम मोदी ने 9 मार्च को दुनिया की सबसे लंबी टिवन-लेन सुरंग, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सेला सुरंग का उद्घाटन करने के लिए अरुणाचल प्रदेश का दौरा किया। चीन ने कहा कि उसकी सरकार ने भारत द्वारा अवैध रूप से स्थापित तथाकथित अरुणाचल प्रदेश को कभी मान्यता नहीं दी है और वह इसका दृढ़ता से विरोध करती है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने पीएम मोदी की अरुणाचल प्रदेश यात्रा के बारे में सवाल का जवाब देकर यह बयान दिया।

रमज़ान शुरू होते ही कश्मीर के बाज़ारों में उत्सव जैसा माहौल, खजूर खरीदने वालों की भारी भीड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुसलमानों का पवित्र महीना रमजान आज से शुरू होने के कारण कश्मीर घाटी के बाजारों में सोमवार को उत्सव जैसा माहौल रहा। पूरे कश्मीर के बाजार खचाखच भरे हुए थे क्योंकि लोग रमज़ान से संबंधित सामान खरीदते देखे गए। जम्मू-कश्मीर के ग्रैंड मुफ्ती मुफ्ती नसीरुल इस्लाम फारूकी ने घोषणा की कि आज शाम जम्मू-कश्मीर में रमजान का चांद देखा गया है। जीएनएस के अनुसार इस्लाम ने कहा 1445 ए.एच. का रमज़ान वर्धमान जम्मू और कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में देखा गया था और पवित्र महीना आज शाम से शुरू हो रहा है और कल उपवास के महीने का पहला दिन मनाया जाएगा।

श्रीनगर और घाटी के अन्य बाजारों में लोग इस सबसे पवित्र महीने के लिए खरीदारी में व्यस्त थे। इन बाजारों के दुकानदार अपनी बिक्री में बढ़ोतरी देखकर खुश थे। श्रीनगर के स्थानीय निवासी शौकतनाज़रि कहते हैं, 'रमजान आध्यात्मिक नवीकरण और सामुदायिक जुड़ाव का समय है।' उन्होंने कहा कि हलचल भरे बाजारों

और परिवारों को एक साथ खरीदारी करते देखना खुशी की भावना पैदा करता है। श्रीनगर में दुकानदारों ने अपनी दुकानों को विभिन्न प्रकार की खजूरों से सजाया है। शहर के केंद्र, लालचौक, श्रीनगर में अपनी दुकान रखने वाले एक दुकानदार ने कहा, 'रमजान के दौरान खजूर का विशेष महत्व होता है।' एक अन्य दुकानदार मंसूर कहते हैं, 'खजूर सिर्फ एक खाद्य पदार्थ नहीं है; वे रमजान में मिलने वाले आध्यात्मिक पोषण का प्रतीक हैं।' लालचौक के एक दुकानदार मोहम्मद इब्राहिम ने कहा, 'हम अच्छा व्यवसाय देखकर खुश हैं क्योंकि लगभग हर कोई सामान खरीद रहा है जिसमें खजूर, आटा और अन्य सामान शामिल हैं। हमें उम्मीद है कि यह प्रवाह देर शाम तक जारी रहेगा।'

कश्मीर के बाज़ारों में खजूर खरीदने वालों की भीड़ लगी हुई है। इस रमज़ान में दुकानदारों ने खजूर की आयातित किस्में प्रदर्शित कीं। रमज़ान के पहले दिन खजूर खरीदने के लिए लोगों की भारी भीड़ देखी गई क्योंकि वे रमज़ान का पहला दिन मना रहे थे। वहीं दुकानदारों से बात करने पर उनका कहना है कि इस रमजान में सऊदी अरब, ईरान और ट्यूनीसा के खजूर बिक्री के लिए रखे गए हैं. 'हमने इस रमज़ान में लोगों के लिए सऊदी, ट्यूनीसा और ईरान की तारीखें प्रदर्शित की हैं' इस बीच, स्थानीय लोगों ने कहा, लोगों को इस रमजान में माफी मांगनी चाहिए और दुनिया में शांति के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। एक स्थानीय नागरिक ने कहा, 'मैं लोगों से क्षमा मांगने और प्रार्थनाओं में दृढ़ रहने का आग्रह करता हूं।'' हमें भी इस रमज़ान में गरीबों की मदद करनी चाहिए।'

बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार को धमकी देने वाला युवक विशेष चतुर्वेदी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पटना । बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार को धमकी देने वाला युवक विशेष चतुर्वेदी को पुलिस ने गिरफ्तार कर ली है। बिहार के पटना जिले के बाढ़ एनटीपीसी से विषेश चतुर्वेदी की गिरफ्तारी हुई है। आरोपी युवक दिल्ली में ग्लोबल फाइनेंशियल मार्केटिंग कंपनी में जॉब करता था । फास्ट्रेशन में आकर युवक ने सोशल प्लेटफार्म पर मुख्यमंत्री को गोली मारने की धमकी दी थी। गिरफ्तार युवक ने मुख्यमंत्री से माफी मांगी है। अपने द्वारा कहे शब्दों को वापस लेने की बात कही है। फिलहाल उस युवक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मामला बीते दिनों की है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमे मुख्यमंत्री को गोली मारने की कही गई थी। पटना पुलिस ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि, इसके पूर्व भी इस मामले में दो लोग गिरफ्तार हुए हैं।

आदिवासी संकल्प से आदिवासियों के जल, जंगल, जमीन की रक्षा करेंगे : मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी आदिवासी संकल्प की गारंटी के माध्यम से आदिवासियों के अधिकारों तथा उनके जल, जंगल, जमीन की रक्षा करेगी। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान आदिवासियों के लिए छह सूत्री संकल्प की घोषणा की। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि मोदी सरकार में वन सरंक्षण पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है और वन क्षेत्र को मित्र पूंजीपतियों को दिया जा रहा है।

खरगे का कहना था, हम आदिवासियों के जल जंगल जमीन की रक्षा करने की पूरी कोशिश करेंगे और इसे कानून के तहत करेंगे। खरगे ने कहा, वन अधिकार अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एक राष्ट्रीय मिशन स्थापित किया जाएगा, एक स्पेशल बजट रखा जाएगा और विशेष कार्य योजना तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा वन संरक्षण और भूमि अधिग्रहण अधिनियमों में किए गए सभी संशोधनों को कांग्रेस वापस लेगी, जिनसे आदिवासियों को बड़े पैमाने पर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

खरगे के अनुसार, कांग्रेस सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में उन सभी बस्तियों या बस्तियों के समूहों को अनुसूचित क्षेत्रों के रूप में चिन्हित करने के लिए प्रतिबद्ध है जहां एसटी सबसे अधिक हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पंचायत प्रावधान (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम (पेसा) के अनुसार राज्यों में कानून बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि ग्राम सरकार और स्वायत्त जिला सरकार की स्थापना हो सके। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा लाया जाने वाला एमएसपी का अधिकार कानून, जो एमएसपी को कानूनी दर्ज़ा देगा वह छोटे वन उपज को भी कवर करेगा।

उन्होंने दावा किया, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए बजटीय संसाधनों में संतुलित और पर्याप्त हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के लिए 1970 के दशक के अंत मेंइंदिरा गांधी द्वारा शुरू की गई अनुसूचित जाति और जनजातीय उपयोजना के लिए सब प्लान योजना को 2014 में मोदी सरकार द्वारा समाप्त कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अनुसूचित जाति योजना और जनजातीय उप-योजना को पुनर्जीवित करने और इसे कानून द्वारा लागू करने योग्य बनाने की गारंटी देती है, जैसा कि कुछ राज्यों में कांग्रेस सरकारों ने किया है।

कांग्रेस के एक और दिग्गज नेता का चुनाव लड़ने से इंकार, वर्तमान जिम्मेदारी का हवाला दिया

अहमदाबाद (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव से पहले गुजरात कांग्रेस से एक बड़ी खबर सामने आई है। गुजरात कांग्रेस के पूर्व प्रमुख और पूर्व केन्द्रीय मंत्री रहे भरतसिंह सोलंकी ने आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया है। इसके लिए उन्होंने मौजूदा जिम्मेदारियों का हवाला दिया है। बता दें कि बीते दिन कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगदीश ठाकोर के लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने के ऐलान किया था। जगदीश ठाकोर के बाद अब एक और दिग्गज नेता भरतसिंह सोलंकी ने चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है। भरत सिंह सोलंकी ने ऐलान किया है कि वह लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। खास बात ये है कि आज कांग्रेस के संभावित उम्मीदवारों का ऐलान हो सकता है। एक और लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियां कवायद में जुट गई हैं। दूसरी ओर गुजरात कांग्रेस के पूर्व विधायकों के भाजपा जॉइन करने के बीच कल पूर्व अध्यक्ष जगदीश ठाकोर ने भी ऐलान किया था कि वे लोकसभा नहीं लड़ेंगे। इन सबके बीच अब एक बड़ा अपडेट सामने आया है। कांग्रेस के दिग्गज नेता भरत सिंह सोलंकी ने पार्टी से लोकसभा नहीं लड़ने का अनुरोध करते हुए कहा है कि पार्टी ने उन्हें प्रचार की जिम्मेदारी दी है। पार्टी के दिग्गज नेता भरत सिंह सोलंकी ने एक्स पर लिखा कि 'कांग्रेस पार्टी ने दशकों से मुझे और मेरे परिवार को बहुत कुछ दिया है। एआईसीसी जम्मू-कश्मीर के प्रभारी के रूप में मेरी वर्तमान जिम्मेदारी के मद्देनजर और गुजरात में पार्टी के लिए प्रभावी ढंग से प्रचार करने में सक्षम होने के लिए, मैं विनम्रतापूर्वक हाईकमान को यह चुनाव नहीं लड़ने की अपनी इच्छा से अवगत कराता हूं। हालाँकि, कांग्रेस का आजीवन सिपाही होने के नाते, केंद्रीय नेतृत्व जो भी निर्णय लेगा, मैं उसे स्वीकार करूंगा और उसका पालन करूंगा।'

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मॉरीशस में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी

पोर्ट लुइस। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ऐतिहासिक दांडी मार्च की वर्षगांठ पर मंगलवार को यहां मॉरीशस में महात्मा गांधी संस्थान जाकर राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि अर्पित की। नयी दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि तीन दिवसीय राजकीय दौरे पर पहुंचीं 65 वर्षीय मुर्मू ने मॉरीशस के मोका में स्थित महात्मा गांधी संस्थान में आयोजित एक नागरिक अभिनंदन में राष्ट्रपिता के सार्वभौमिक सिद्धांतों को याद किया। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इस मौके पर आयोजित नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने मॉरीशस में अपनी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने और भावी पीढ़ियों तक प्रसारित करने के लिए भारतीय प्रवासियों को धन्यवाद दिया। मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुईं मुर्मू ने मंगलवार को महात्मा गांधी मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो की सवारी भी की। विदेश मंत्रालय ने एक अन्य पोस्ट में कहा, महात्मा गांधी के ऐतिहासिकदांडी मार्च की शुरुआत वाले दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मॉरीशस के प्रतिष्ठित महात्मा गांधी मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो की संक्षिप्त सवारी भी की। पोस्ट के मुताबिक, मॉरीशस मेट्रो भारत समर्थित एक प्रमुख परियोजना है, जिसका मॉरीशस के लोगों के जीवन पर परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2019 में मॉरिशस के प्रधानमंत्री के साथ संयुक्त रूप से मेट्रो सेवा और अस्पताल का उद्घाटन किया था। नमक सत्याग्रह जिसे 1930 के दांडी मार्च के नाम से भी जाना जाता है, का भारत के आजादी के आंदोलन में प्रमुख स्थान है।

केंद्र केरल को 31 मार्च तक एकमुश्त पैकेज देने पर विचार करे : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह वित्तीय समस्याओं से निपटने के लिए केरल सरकार को 31 मार्च तक एकमुश्त पैकेज देने पर विचार करे। केरल सरकार के वकील कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ के समक्ष तत्काल सुनवाई के लिए केंद्र सरकार के खिलाफ अपने लंबित मुकदमे का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र सरकार राज्य को जरूरी राशि नहीं जारी कर रही है। पीठ ने राज्य सरकार की याचिका बुधवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताते हुए कहा कि केंद्र थोड़ा उदार रुख अपनाते हुए केरल को विशेष मामले के रूप में एकमुश्त पैकेज दे सकता है। पीठ ने कहा कि आने वाले बजट में अधिक कठोर शर्तें रखी जा सकती हैं लेकिन 31 मार्च से पहले राज्य को एक विशेष पैकेज दिया जाना चाहिए ताकि वह वित्तीय समस्याओं से निपट सके। इस पर केंद्र की ओर से पेश

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एन वेंकटरमण ने कहा कि ऑफसेटिंग बैलेंस का केरल के वित्त पर असर पड़ रहा है और राज्य ने राजकोषीय सशक्तीकरण को दो बार टाल दिया है। ऑफसेटिंग बैलेंस वह न्यूनतम राशि होती है जिसे ऋण देने की एक शर्त के रूप में उधारकर्ता को जमा रखने की जरूरत होती है। केरल सरकार ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर केंद्र सरकार पर कर्ज लेने की सीमा लगाकर राज्य के वित्त को विनियमित करने के लिए अपनी 'विशेष, स्वायत्त और पूर्ण शक्तियों' के प्रयोग में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया गया है।

जानबूझकर लोकसभा चुनाव से ठीक पहले लागू किया गया सीएए: जयराम रमेश

सीएए को लेकर मोदी सरकार पर भड़के विरोधी नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार ने सोमवार देर शाम को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए), 2019 को लागू करने से जुड़े नियमों को अधिसूचित किया है, सीएए के लागू होते ही पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से दस्तावेज के बिना आने वाले गैर-मुस्लिम प्रवासियों को नागरिकता देने का रास्ता साफ हो गया है। सीएए को लेकर नोटिफिकेशन जारी होने पर कांग्रेस ने प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस ने सीएए को लागू करने के समय पर सवाल उठाया है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पोस्ट किया, दिसंबर 2019 में संसद द्वारा पारित नागरिकता संशोधन अधिनियम के नियमों को अधिसूचित करने में मोदी सरकार को चार साल और तीन महीने लग गए। प्रधानमंत्री मोदी दावा करते हैं कि उनकी सरकार बिल्कुल प्रोफेशनल ढंग से और समयबद्ध तरीके से काम करती है। उन्होंने लिखा, सीएए के नियमों को अधिसूचित करने में लिया गया इतना समय पीएम मोदी के सफेद झूठ की एक और झलक है। नियमों की

अधिसूचना के लिए नौ बार एक्सटेंशन मांगने के बाद घोषणा करने के लिए जानबूझकर लोकसभा चुनाव से ठीक पहले का समय चुना गया है। कांग्रेस नेता रमेश ने लिखा, ऐसा स्पष्ट रूप से चुनाव को ध्रुवीकृत करने के लिए किया गया है, विशेष रूप से असम और बंगाल में इसका खास असर दिखाई देगा। यह इलेक्टोरल बांड घोटाले पर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार और सख्ती के बाद हेडलाइन को संतुलित करने का प्रयास भी प्रतीत होता है। वहीं सीएए पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि सीएए से अगर किसी नागरिकता रद्द हुई तब उस बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके अलावा दक्षिण के राज्य तमिलनाडु के तमिल अभिनेता और तमिलागा वेट्री कड़गम (टीवीके) प्रमुख थलपति विजय ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 लागू करने के बाद मोदी सरकार पर हमला बोला। 31 दिसंबर, 2014 से पहले भारत आए पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से बिना दस्तावेज वाले गैर-मुस्लिम प्रवासियों के लिए तेजी से नागरिकता प्रदान करने के लिए संसद द्वारा विवादास्पद कानून पारित किए जाने के 4 साल बाद केंद्र ने नियमों को अधिसूचित करके सीएए लागू किया। विजय ने कहा कि सीएए को लागू करना स्वीकार्य नहीं है। उस माहौल में जहां देश के सभी नागरिक सामाजिक सद्भाव के साथ रहते हैं, भारतीय नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 (सीएए) जैसे किसी भी कानून को लागू करना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने तमिलनाडु सरकार से यह सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया कि कानून तमिलनाडु में लागू न हो।

दस लाख से अधिक वन्यजीव प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बदलते हालात में ग्लोबल वार्मिंग और ग्रीन हाउस गैसों से बढ़ती चुनौतियों की वजह से पक्षियों का संरक्षण बेहद मुश्किल होता जा रहा है। तरह-तरह की बीमारियां बढ़ रही हैं। वन्यजीवों को विलुप्त होने या शिकार से बचाने के लिए भारत में 1873 में वन्यजीव संरक्षण कानून बनाए गए थे, लेकिन उनसे भी वन्यजीवों, खासकर पक्षियों को शिकार से बचाने में मदद नहीं मिल पाती थी। जब देश आजाद हुआ तो 1952 में वन्यजीव बोर्ड की स्थापना की गई। फिर उसका पुनर्गठन 1991 में किया गया। बोर्ड के गठन के बाद वन्यजीवों के संरक्षण की कोशिशें तेज हुईं, फिर भी जीव-जंतुओं की तस्करी और शिकार पर पूरी तरह रोक नहीं लग पाई। नतीजा ये रहा कि पिछली एक शताब्दी में तस्करी, शिकार और पारिस्थिकी-तंत्र के असंतुलन की वजह से अनेक दुर्लभ पक्षी भी धरती से हमेशा के लिए गायब हो गए। इसमें डोडो, कैरोलिना, तोता, यात्री कबूतर, हंसता हुआ उल्लू, लैब्राडोर बतख और दूसरे कई दुर्लभ पक्षी शामिल हैं। इस समय दस लाख से अधिक वन्यजीव प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। वर्तमान में पक्षियों की तकरीबन दस हजार जीवित प्रजातियां हैं, जिनमें से एक हजार चार सौ अस्सी विलुप्त होने को हैं और दो सौ तेईस गंभीर स्थिति में हैं। 'स्टेट आफ इंडियाज बर्ड्स' के मुताबिक कुछ 'रैप्टर' और बतखों की तादाद में सबसे ज्यादा कमी देखने को मिली है। इसी तरह भारतीय गौरैया और कठफोड़वा खत्म होने के कगार पर बताए जा रहे हैं। यों तो वन्य जीव-जंतुओं के विलुप्त होने का खतरा लंबे समय से मंडराता रहा है, लेकिन पिछली एक शताब्दी में विज्ञान के विकास के साथ वन्यजीवों पर खतरा बहुत तेजी से बढ़ा है।

इसमें राष्ट्रीय स्तर के वन्य अभ्यारण्यों और उद्यानों के निर्धारित क्षेत्रफल को बढ़ाना और पक्षियों के संरक्षण के लिए बजट में और अधिक व्यय का प्रावधान, अवैध शिकार, सुरक्षा क्षेत्र को और बेहतर करना, दुर्लभ पक्षियों के संरक्षण पर और ध्यान देना, पर्यावरण को पक्षियों के अनुकूल बनाना, विकास की अंधी दौड़ में पक्षी उद्यानों के आसपास की रिहायशी बस्ती को हटाना या दूसरे स्थानों पर उद्यानों को स्थानांतरित करना, जल, भोजन और अन्य वातावरणीय समस्याओं को खत्म करके पक्षियों के वास के अनुकूल बनाना और शिकारियों को कठोर दंड देने के लिए मुफीद कानून बनाने से लेकर पक्षियों के प्रति लोगों में प्यार बढ़ाने जैसे कदम शामिल किए जाने चाहिए। पक्षियों को बचाने की चुनौती जानवरों से ज्यादा है।

दुर्लभ प्रजातियों के संरक्षण के लिए विश्व स्तर पर वन्यजीवों की दुर्लभ प्रजातियों का अंतरराष्ट्रीय व्यापार समवाय भी बनाया गया है,

जिसका कार्य संकटापन्न प्रजातियों के अवैध अंतरराष्ट्रीय व्यापार को रोकना है। भारत भी इसका सदस्य है। भारत ने इस बाबत अनेक जीव-जंतुओं की तस्करी पर रोक लगाने के लिए बड़े स्तर पर कदम उठाए हैं, लेकिन वे नाकाफी रहे हैं, क्योंकि पक्षियों और दूसरे वन्यजीवों की घटती संख्या और लुप्त होती पक्षी प्रजातियों के संरक्षण को मुकम्मल नहीं किया जा सका है। ऐसे में सवाल उठता है कि पक्षियों की घटती संख्या को कैसे रोका जा सकता है? क्या संरक्षण वाली परियोजनाओं को और सुधारने की

अमेरिकी गायिका ने फिर की पीएम मोदी की तारीफ

वाशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुरीद अमेरिकी गायिका मैरी मिलबेन ने एक बार फिर पीएम मोदी की तारीफ की है। इस बार उन्होंने सीएए लागू करने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा है कि ये लोकतंत्र का सच्चा कार्य है। मिलबेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके दयालु नेतृत्व के लिए धन्यवाद देते हुए सीएए लागू करने पर सराहना करते हुए इसे लोकतंत्र का सच्चा कार्य और शांति का मार्ग बताया। केंद्र सरकार ने संसद में पारित होने के पांच साल बाद नागरिकता संशोधन अधिनियम के नियमों को सोमवार को अधिसूचित किया, जिससे लोकसभा चुनाव से ठीक पहले इसे लागू करने का मार्ग प्रशस्त हो गया। मिलबेन ने अपने एक्स पर लिखा कि यह शांति की ओर एक मार्ग है। यह लोकतंत्र का सच्चा कार्य है। वह अतीत में पीएम मोदी की भारत के लिए सर्वश्रेष्ठ नेता के रूप में प्रशंसा कर चुकी हैं। एक ईसाई, आस्थावान महिला और धार्मिक स्वतंत्रता की वैश्विक समर्थक के रूप में उन्होंने पीएम मोदी की सराहना की।पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की ओर से सीएए लागू करने की घोषणा का मकसद पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में प्रताड़ित गैर-मुस्लिम प्रवासियों, ईसाई, हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध और पारसियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करना है।पुरस्कार विजेता गायिका ने अपने पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह और भारत सरकार को आपके दयालु नेतृत्व के लिए और सबसे महत्वपूर्ण रूप से सताए गए लोगों का स्वागत करने में धार्मिक स्वतंत्रता को बरकरार रखने के लिए धन्यवाद।मिलबेन 15 अगस्त, 2022 को भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम में अमेरिका के लिए आमंत्रित सांस्कृतिक राजदूत के रूप में प्रस?तुति देने वाली पहली अमेरिकी कलाकार हैं।भारत के स्वतंत्रता दिवस की 74वीं वर्षगांठ के लिए 2020 में वर्चुअली प्रस्तुत राष्ट्रगान और 2020 की दिवाली के लिए भजन ओम जय जगदीश हरे की उनकी प्रस्तुति को अमेरिका, भारत और दुनिया भर में लाखों लोगों ने सराहा और देखा है।

विवादों से घिरी राजकुमारी केट मिडलटन की तस्वीर,कई प्लेटफॉर्म ने हटाई

लंदन। ब्रिटेन की राजकुमारी केट मिडलटन की एक तस्वीर विवादों से घिर गई। पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बनी इस तस्वीर के बारे में कहा जा रहा है कि यह तस्वीर एडिट करके पेश की गई है। विवाद इतना बढ़ा कि कई न्यूज़ एजेंसियों को यह फोटो अपने प्लेट फॉर्म से हटाना पड़े हैं। कहा जा रहा है कि ये तस्वीर एडिट की गई है। ब्रिटेन में मदर्स डे के मौके पर केंसिंग्टन पैलेस ने रविवार को यह तस्वीर जारी की है। इस तस्वीर में वेल्स की राजकुमारी बगीचे की कुर्सी पर बैठी दिखाई दे रही है। फोटो में उनके साथ उनके तीन बच्चे जॉर्ज, चार्लोट और लुइस हैं। फोटो में राजकुमारी चार्लोट की तस्वीर एडिट करने की बात कही गई है। कहा जा रहा है कि उनके हाथ में सगाई की अंगूठी नहीं है, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है। पैलेस की ओर से इस फोटो के बारे में कहा गया है कि कि इसे उनके पति प्रिंस विलियम ने खींचा है। फोटो के साथ एक संदेश में उन्होंने लिखा, पिछले दो महीनों में आपकी शुभकामनाओं और निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद। सभी को मदर डे की शुभकामनाएं। फोटो को एडिट किए जाने की बात सामने आने के बाद तीन समाचार एजेंसियों ने इस पर चिंता जताते हुए तस्वीर वापस ले ली। तस्वीर के बारे में कहा जा रहा है कि राजकुमारी चार्लोट का बायां हाथ उनके कार्डिगन की आस्तीन के साथ गलत तरीके से जुड़ हुआ पाया गया, जिससे फोटो की प्रामाणिकता पर संदेह पैदा हो गया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, केंसिंग्टन पैलेस ने समाचार एजेंसियों के तस्वीर वापस लेने पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। वहीं सोशल मीडिया पर इसको लेकर कई यूजर्स ने अपनी बात रखी है। सोशल यूजर्स ने शाही परिवार पर राजकुमारी की एआई-जनरेटेड छवि साझा करने का आरोप लगाया है। ब्रिटेन के शाही परिवार ने करीब दो महीने पहले घोषणा की थी कि वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन एक सर्जरी की वजह से मार्च तक अपने सार्वजनिक कार्यक्रमों को स्थगित कर रही हैं। इसके बाद के केट सार्वजनिक तौर पर नहीं दिखीं। सोशल मीडिया यूजर्स ने उनके स्वास्थ्य से जुड़ी गोपनीयता को भी संदिग्ध बताया था।

50 सालों से सिर्फ कोका कोला पीकर जिंदा है ये शख्स

ब्राजीलिया। ब्राजील के एक व्यक्ति का दावा है कि वह पिछले 50 सालों से सिर्फ कोका कोला पीकर जिंदा है, उसने पानी की 1 बूंद भी नहीं पी है। पर क्या ये वाकई मुमकिन है, या फिर वो सिर्फ झूठ बोल रहा है? मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्राजील के बाहिया में रहने वाले 70 साल के रॉबर्ट पेड्रिरा को अगर दुनिया में कोका कोला का सबसे बड़ा फैन कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। रॉबर्ट का कहना है कि वो पिछले 50 सालों से सिर्फ कोका कोला पी रहे हैं। उन्होंने सिर्फ पानी की एक बूंद ही पी होगी। बाकि खुद को हाइड्रेट रखने के लिए वो कोका कोला का ही सेवन करते हैं। उन्हें मधुमेह और दिल की बीमारी भी है, इसके बावजूद वो कोका कोला पीते हैं। कुछ सालों पहले रॉबर्ट जब कोविड की वजह से अस्पताल में भर्ती हुए थे, तब उन्होंने अपने अस्पताल के केयर चार्ट में ये साफ लिख दिया था कि वो दवाओं को पानी से नहीं, बल्कि कोका कोला से पिएंगे। सोशल मीडिया पर उनका ये चार्ट वायरल हुआ था। तब लोगों को लगा था कि वो झूठ बोल रहे हैं, मगर उनके 27 साल के पोते ने बताया था कि उसे जितना याद है, उसने अपने दादा को कभी कोका कोला के अलावा कुछ और पीते हुए नहीं देखा। जी1 ग्लोबो से हाल ही में बात करते हुए रॉबर्टो ने बताया कि उन्हें कई बीमारियां हैं, फिर भी वो कोक ही पीते हैं। उन्हें लगता है कि अगर कोक पीना इतना बुरा होता, तो उनकी अब तक मौत हो चुकी होती। पर वो जिंदा हैं। 50 सालों से उन्होंने पानी नहीं पिया है। उन्होंने डॉक्टरों से भी ये बात बोली कि उन्हें पानी पीना पसंद ही नहीं है। शख्स आइसक्रीम भी खाता है, तो उसके साथ कोक ही पीता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि उसके दिल में 6 स्टेंट पड़े हैं। उसे हार्ट अटैक भी आ चुका है। पर वो किसी की बात नहीं सुनता। शख्स ने कहा कि वो 70 साल का हो चुका है, अपनी जिंदगी जी चुका है, अब वो मरेगा भी तो कोई फर्क नहीं पड़ता, पर वो पानी नहीं पिएगा। बता दें कि इंसान के लिए पानी पीना कितना जरूरी है, ये तो हमें आपको बताने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि ये तो सभी जानते होंगे कि पानी के बिना जीवन संभव नहीं है।

जमैका में हेती को लेकर हुई एक आपात बैठक में अमेरिकी विदेशमंत्री एंटनी ब्लींकन, ग्याना के राष्ट्रपति इरफान अली और जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस।

भारत के दिव्यास्त्र ने चीन की उड़ाई नींद, समुद्र में छोड़ा जासूस

नई दिल्ली। भारत ने 5,000 किलोमीटर की दूरी वाली इंटर-कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का सोमवार को पहला सफल उड़ान परीक्षण किया। यह मिसाइल लगभग पूरे चीन को निशाना बनाने में सक्षम मानी जाती है और ऐसा प्रतीत होता है कि इसने चीन की नींद उड़ा दी है। शायद यही वजह है कि अग्नि-5 मिसाइल की इस टेस्ट फ्लाइट पर संभवत- नजर रखने के लिए उसने भारतीय समुद्र तट के पास अपना जासूसी जहाज तैनात कर रखा था। बीजिंग इसे अनुसंधान पोत बताता है, हालांकि दुनियाभर के विशेषज्ञों के मानना है कि चीन इनका इस्तेमाल दूसरे देशों की हलचल पर नजर रखने के लिए करता है। यह चीनी पोत पहले मालदीव के तट पर लंगर डाले हुए था, हालांकि पिछले हफ्ते ही वह वहां से रवाना हो गया था। इसके बाद उसे भारतीय समुद्री सीमा से थोड़ा बाहर इंटरनेशनल वॉटर्स में मंडराते देख गया था। विशेषज्ञों का अनुमान है कि चीन ने यह पोत ओडिशा तट के पास स्थित डॉ. एपीजी अब्दुल कलाम तट से होने वाले मिसाइल परीक्षण की जासूसी के तैनात किया था। भारत ने 7 मार्च को ही अपने पड़ोसियों को इस मिसाइल टेस्ट के बारे में अलर्ट करते हुए बंगाल की खाड़ी और 3,550 किलोमीटर तक फैले हिंद महासागर क्षेत्र पर एक नोटिस टू एयर मिशन जारी किया था। हर मिसाइल या रॉकेट परीक्षण से पहले यह नोटिस जारी करना अनिवार्य होता है। संभावना है कि चीन के इस जासूस जहाज ने पूरे मिसाइल परीक्षण को देखा होगा और इसकी सीमा और क्षमता के आंकड़ों की गणना की होगी। हालांकि चीन का कहना है कि ये जहाज केवल अनुसंधान उद्देश्यों के लिए हैं, भारत के साथ-साथ कुछ पश्चिमी देशों को भी लगता है कि चीनी वैज्ञानिक अनुसंधान जहाजों का बेड़ा विशेष रूप से सैन्य उद्देश्यों के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में अपने प्रतिद्वंद्वियों की नौसैनिक संपत्तियों से जुड़े संवेदनशील डेटा एकत्र कर रहा है।

मुर्मू ने मॉरीशस के राष्ट्रपति रूपन को 'रुपे कार्ड' उपहार में दिया

पोर्ट लुइस (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को मॉरीशस के अपने समकक्ष पृथ्वीराज सिंह रूपन से मुलाकात की और भारत तथा मॉरीशस के बीच दीर्घकालिक और बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर व्यापक चर्चा की। राष्ट्रपति मुर्मू ने रूपन को एक 'रूपे' कार्ड उपहार में दिया, जिसे हाल में मॉरीशस में शुरू किया गया है। मुर्मू दिन में तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर यहां पहुंचीं। इस दौरान वह मंगलवार को देश के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगी। भारत के राष्ट्रपति के आधिकारिक हैंडल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि राष्ट्रपति मुर्मू ने प्रेसिडेंशियल स्टेट हाउस में राष्ट्रपति रूपन के साथ गर्मजोशी से और सौहार्दपूर्ण मुलाकात की। 'एक्स' पोस्ट में मुलाकात की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए कहा गया है, 'दोनों नेताओं ने क्षमता निर्माण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं में सहयोग सहित अनूठे और बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।' पोस्ट के मुताबिक, मुर्मू ने आयुर्वेदिक उद्यान की भी सराहना की जो पिछले साल स्टेट हाउस के मैदान में स्थापित किया गया था।'एक्स' पर सिलसिलेवार ढंग से की गयी पोस्ट में विदेश मंत्रालय ने कहा कि द्विपक्षीय वार्ता से पहले रूपन ने स्टेट हाउस में मुर्मू का गर्मजोशी से स्वागत किया।

पोस्ट में मुलाकात की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए कहा गया है, ' दोनों नेताओं ने भारत और मॉरीशस के बीच रिश्तेदारी, संस्कृति और लोगों के बीच मजबूत संबंधों की ठोस नींव पर बने दीर्घकालिक और करीबी संबंधों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।' चौसठ वर्षीय रूपन का जन्म एक आर्य समाज परिवार में हुआ है। मुर्मू ने आयुर्वेदिक उद्यान का भी दौरा किया, जिसे पिछले साल आयुष मंत्रालय के सहयोग से प्रेसिडेंशियल स्टेट हाउस में स्थापित किया गया था। विदेश मंत्रालय ने राष्ट्रपति मुर्मू के आयुर्वेदिक उद्यान दौरे की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए रेखांकित किया, 'पारंपरिक चिकित्सा दोनों देशों के बीच साझेदारी का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है।' विदेश मंत्रालय ने पहले बताया था कि प्रधानमंत्री कुमार जगन्नाथ ने हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति मुर्मू का पूरे राजकीय सम्मान के साथ स्वागत किया, जो दोनों देशों के बीच करीबी संबंधों को दर्शाता है। राष्ट्रीय दिवस समारोह के दौरान दो युद्धपोतों- आईएनएस तीर और सीजीएस सारथी- के साथ भारतीय नौसेना की एक टुकड़ी भी इस समारोह में हिस्सा लेगी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि था राष्ट्रपति मुर्मू अपने मॉरीशस समकक्ष पृथ्वीराजसिंह रूपन और प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ के साथ द्विपक्षीय बैठक करने के अलावा मॉरीशस नेशनल असेंबली के अध्यक्ष, वहां के उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश और देश के कई महत्वपूर्ण नेताओं से भी मुलाकात करेंगी। मंत्रालय ने कहा मुर्मू और जगन्नाथ भारत की सहायता वाली 14 परियोजनाओं का संयुक्त रूप से उद्घाटन करेंगे, जो मॉरीशस के साथ भारत की जीवंत विकास साझेदारी के विस्तार और बहुआयामी

प्रकृति को प्रदर्शित करेंगे और यह द्विपक्षीय संबंधों का एक 'प्रमुख स्तंभ' है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, 'मुर्मू, वर्ष 2000 के बाद से मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने वाली छठीं भारतीय राष्ट्रपति हैं। राष्ट्रपति का यह दौरा भारत और मॉरीशस के बीच दीर्घकालिक व स्थायी संबंधों को रेखांकित करता है।'

लंबे समय से था इंतजार, अमेरिका में हिंदुओं के संगठन ने सीएए लागू होने पर जताई खुशी

वाशिंगटन (एजेंसी)। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) नियमों की अधिसूचना के साथ लागू हो गया है। सीएए पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के गैर-मुस्लिम शरणार्थियों के लिए नागरिकता का मार्ग प्रशस्त करता है, जिन्होंने धार्मिक उत्पीड़न का सामना किया और 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत में प्रवेश किया। भारतीय-अमेरिकियों ने सीएए को लागू करने के लिए भारत सरकार की प्रशंसा की है।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) जैसे हिंदू अमेरिकी समूहों ने सीएए का स्वागत करते हुए इसे लंबे समय से लंबित बताया है। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि भारत का सीएए संयुक्त राज्य अमेरिका में धार्मिक शरणार्थियों के लिए लॉटिनबर्ग संशोधन को प्रतिबिंबित करता है।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) के कार्यकारी ने कहा कि भारत का नागरिकता संशोधन अधिनियम लंबे समय से लंबित और आवश्यक है। यह भारत में सबसे कमजोर शरणार्थियों में से कुछ की रक्षा करता है, उन्हें वे मानवाधिकार प्रदान करता है जिनसे उन्हें अपने देश में वंचित किया गया था और उन्हें अपने जीवन का पुनर्निर्माण शुरू करने के लिए आवश्यक नागरिकता का स्पष्ट और त्वरित मार्ग प्रदान करता है।

एचएएफ ने कहा कि सीएए भारतीय नागरिकों के अधिकारों को संशोधित नहीं करता है या सामान्य आप्रवासन के लिए कोई धार्मिक मानदंड लागू नहीं करता है, न ही यह मुसलमानों को भारत में प्रवास करने से रोकता है। शुक्ला ने कहा कि सीएए 1990 से अमेरिका में लंबे समय से स्थापित लॉटिनबर्ग संशोधन को प्रतिबिंबित करता है, जिसने उन चुनिंदा देशों के समूह से भागने वाले व्यक्तियों के लिए एक स्पष्ट आव्रजन मार्ग प्रदान किया है जहां धार्मिक उत्पीड़न व्याप्त है। हालाँकि, भारतीय अमेरिकी मुस्लिम परिषद (आईएएमसी) ने सीएए की कड़ी आलोचना की है।

गृह युद्ध में दुनिया का सबसे खतरनाक शहर! प्रधानमंत्री एरियल हेनरी ने दिया इस्तीफा

हैती में चार हजार कैदियों ने पूरे शहर में आतंक मचा दिया है। हैती की सरकार बेबस नजर आ रही है और पुलिस भी डरी हुई है। सशस्त्र गिरोह देश की राजधानी पर कब्जा कर चुके हैं। वे राष्ट्रपति भवन समेत कई सरकारी इमारतों को निशाना बना रहे हैं। सड़कों पर गोलियां चल रही है। कैरेबियाई राष्ट्र में दबाव और अराजकता के बीच हैती के प्रधान मंत्री एरियल हेनरी ने इस्तीफा दे दिया है। वह देश के अंतिम राष्ट्रपति जोवेनेल मोइज़ की हत्या के बाद 2021 में प्रधान मंत्री बने। कैरेबियाई समुदाय के अध्यक्ष ने सोमवार को कहा कि हेनरी ने कैरेबियाई राष्ट्र के सरकार प्रमुख के पद से अपना इस्तीफा जारी कर दिया है। कैरेबियाई समुदाय के अध्यक्ष इरफान अली ने हैती की सेवा के लिए हेनरी को धन्यवाद देते हुए कहा कि हम एक संक्रमणकालीन राष्ट्रपति परिषद की स्थापना और एक अंतरिम प्रधानमंत्री के नामकरण पर उनके इस्तीफे को स्वीकार करते हैं। हेनरी ने सशस्त्र गिरोहों से लड़ने में पुलिस की मदद करने के लिए संयुक्त राष्ट्र समर्थित अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मिशन का नेतृत्व हासिल करने के लिए पिछले महीने के अंत में केन्या की यात्रा की। लेकिन उनकी अनुपस्थिति के दौरान राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस में हिंसा में भारी वृद्धि के कारण वह अमेरिकी क्षेत्र में फंस गए। हेनरी का इस्तीफा तब आया है जब क्षेत्रीय नेताओं ने सोमवार को पास के जमैका में राजनीतिक परिवर्तन की रूपरेखा पर चर्चा करने के लिए मुलाकात की थी, जिसे अमेरिका ने पिछले सप्ताह तेजी से करने का आग्रह किया था, जबकि गिरोह ने हेनरी को पद छोड़ने के लिए कहा था।

यूक्रेन की सेना में 30 फ़ीसदी बढ़ी महिला सैनिकों की संख्या

- यूक्रेन की महिलाओं में राष्ट्र को लेकर गजब का जज्बा

यूक्रेन (एजेंसी)। फरवरी 2022 से यूक्रेन और रूस के बीच में युद्ध चल रहा है। लगातार 2 साल से चल रहे,इस युद्ध में यूक्रेन की महिलाएं बढ़-चढ़कर भाग ले रही हैं। यूक्रेन की सेना में पिछले 2 साल में 30 फीसदी महिला सैनिकों की संख्या बढ़ी है। महिलाएं स्वयं अपनी इच्छा से सेना में भर्ती होने के लिए आगे आती हैं।

पेशे से वकील, डॉक्टर, नर्स, और अन्य कार्यों में पारंगत महिलायें सेना में बडी संख्या में भर्ती हुई हैं। रूस के भीषण हमलों के सामने भी उनके जज्बे में कोई कमी नहीं आई। सीधी लड़ाई में महिलाएं पूरी शिद्दत के साथ, कुशल सैनिकों की तरह लड़ाई लड़ रही हैं। रूसी ठिकानों पर मोर्टर से फायर करती हैं। रुसी सेना के गोले लगातार बरस रहे हैं। इसके बाद भी बिना डरे वह रूस की सेना का मुकाबला कर रही हैं। घने जंगल और एकांत में ड्यूटी करने से भी उन्हें कोई परहेज नहीं है। विषम परिस्थितियों में वह अपनी ड्यूटी कर रही हैं। देश प्रेम की भावना इतनी जबरदस्त है। यूक्रेन की सेना में महिलाओं से भेदभाव और असमानता होने के बाद भी रूसी महिला सैनिक, बड़ी शिद्दत के साथ लड़ाई लड़ रही हैं। जिसके कारण यूक्रेन युद्ध के मैदान में डटा हुआ है। यूक्रेन का मुकाबला रूस नहीं कर पा रहा है। हालांकि इस बात की भी शिकायतें मिलती हैं, कि यूक्रेन के सैनिक अपनी महिला सैनिकों के साथ यौन दुर्व्यवहार और यौन संबंध भी बनाते हैं। लैंगिक असमानता भी उनके बीच देखने को मिलती है। लेकिन देश प्रेम को लेकर रूसी महिला सैनिक इस विषम परिस्थिति में भी युद्ध के मैदान में डटी हुई हैं। जिसके कारण सारी दुनिया की सेना में यूक्रेन की महिला सैनिकों की तारीफ हो रही है।

यूएस-कनाडा में रहने वाले हिंदुओं ने किया सीएए लागू होने का स्वागत

टोरंटो (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार ने 'नागरिकता संशोधन कानून' को लागू कर दिया है। इसके बाद से पूरे देश में इस पर चर्चा हो रही है। वहीं, यूएस, यूके और कनाडा के हिंदू संगठनों ने भी केंद्र के इस कदम को मानवाधिकार के मोर्चे पर बड़ी जीत बताया है।

बता दें कि नागरिकता संशोधन कानून 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के लिए अहम एजेंडा था। इस कानून के अनुसार, हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध और पारसी को भारत की नागरिकता दिए जाने का प्रावधान है, जो धर्म के आधार पर सताए जाने के बाद 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आ गए। कानून के मुताबिक, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में धर्म के आधार पर सताए गए लोगों को भारत की नागरिकता दिए जाने का प्रावधान है। कनाडा के हिंदू फोरम ने अपने बयान में कहा, 'पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में धर्म के आधार पर सताए जाने के बाद भारत में शरण लेने वाले हिंदुओं को भारत की नागरिता दिलाने के लिए मार्ग प्रशस्त करना केंद्र की मोदी सरकार का सराहनीय कदम है। मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा और विभिन्न अन्य अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के हस्ताक्षरकर्ता के रूप में, भारत का दायित्व है कि वह सताए गए व्यक्तियों को उनके धर्म की परवाह किए बिना शरण प्रदान करे।'

वहीं, केंद्र के कदम के बाद वैश्विक मोर्चे पर सक्रिय हिंदू संगठनों ने विश्वास जताया कि आगामी दिनों में भारतीय नागरिकों के बीच इससे भाईचारा बढ़ेगा। अमेरिका स्थित कोलिशन ऑफ हिंदूस ऑफ नॉर्थ अमेरिका ने केंद्र की मोदी सरकार के इस कदम को मानवाधिकार के मोर्चे पर बड़ी जीत बताया। वहीं, बयान में आगे कहा गया है कि सीएए के लागू होने से मौजूदा नागरिकों की नागरिकता पर किसी भी प्रकार की आंच नहीं आएगी। चाहे वो किसी-भी धर्म संप्रदाय या पंथ के क्यों ना हों।

हिंदू संगठनों ने अपने बयान में कहा कि पाकिस्तान में प्रतिवर्ष अल्पसंख्यक समुदाय से ताल्लुक रखने वाले अनेकों लड़कियों का अपहरण कर उनका धर्मांतरण कराया जाता है, जिसके बाद उनकी शादी अपहरणकर्ताओं से पुलिस और न्यायपालिका की मदद से कराई जाती है। कई बार पीड़िताओं की ओर से इंसाफ की गुहार लगाई जाती है, लेकिन अफसोस हर बार उन्हें अनसुना कर दिया जाता है। वहीं, बयान में कहा गया है कि पाकिस्तान से कई डरे हुए परिवार भारत में आए, ताकि अपने परिवार की जान बचा सकें और बच्चों को स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करा सकें। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) के कार्यकारी निदेशक सुहाग शुक्ला ने कहा कि यह कानून लंबे समय से प्रतीक्षित और आवश्यक था। यह भारत में कुछ सबसे कमजोर शरणार्थियों की रक्षा करता है, उन्हें वे मानवाधिकार प्रदान करता है, जिनसे उन्हें अपने देश में वंचित किया गया था। उन्होंने आगे कहा, ÷मुझे यह देखकर गर्व है कि दुनिया के सबसे पुराने और सबसे बड़े धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र - अमेरिका और भारत - उन लोगों के लिए स्वतंत्रता और नए जीवन का मार्ग प्रशस्त कर आशा की किरण बन रहे हैं, जिन्होंने घोर मानवाधिकार उल्लंघनों का सामना किया है।' वहीं, लंदन के एक हिंदू अधिवक्ता ने कहा, 'यह धार्मिक स्वतंत्रता और समानता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है, जो इसके धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने का अभिन्न अंग है।'

पाकिस्तान के साथ बातचीत के दरवाजे कभी बंद नहीं किए, एलएसी पर ज्यादा सैनिक दोनों के हित में नहीं, सीमा विवाद पर जयशंकर के बयान से दोनों देशों की हो जाएगी बोलती बंद

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत और चीन के बीच जारी तनाव पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस स्थिति से किसी भी देश को कोई फायदा नहीं हुआ है। एक पैनल चर्चा में बोलते हुए जयशंकर ने तनावपूर्ण भारत-चीन संबंधों और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर बलों को कम करने और मौजूदा समझौतों को बनाए रखने की आवश्यकता को संबोधित किया। मुझे लगता है कि यह हमारे साझा हित में है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर हमारे पास इतनी सारी ताकतें नहीं होनी चाहिए। मुझे लगता है कि यह हमारे साझा हित में है कि हमें उन समझौतों का पालन करना चाहिए जिन पर हमने हस्ताक्षर किए हैं। मेरा मानना है कि यह है जयशंकर ने कहा, 'सिर्फ आम हित में नहीं, मेरा मानना है कि यह चीन के हित में भी है। पिछले चार वर्षों से हमने जो तनाव देखा है, उससे हम दोनों को कोई फायदा नहीं हुआ है।

विदेश मंत्री ने सीमा विवाद के निष्पक्ष और तर्कसंगत समाधान की तलाश के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया, जो पहले से हस्ताक्षरित समझौतों का सम्मान करता है और यथास्थिति को बदलने का प्रयास किए बिना एलएसी को स्वीकार करता है। उन्होंने कहा कि जितनी जल्दी हम इसे सुलझा लेंगे, मैं वास्तव में मानता हूं कि यह हम दोनों के लिए अच्छा है। मैं अभी भी निष्पक्ष, उचित परिणाम खोजने के लिए प्रतिबद्ध हूं। लेकिन जो समझौतों का सम्मान करता है वह वास्तविक नियंत्रण रेखा को मान्यता देता है और इसकी मांग नहीं करता है। यथास्थिति को बदलने के लिए। मुझे लगता है कि यह हम दोनों के लिए अच्छा होगा।

जून 2020 में गलवान घाटी में झड़प के बाद पूर्वी लद्दाख में कुछ घर्षण बिंदुओं पर भारत और चीन के बीच लगभग चार साल से चल रहे विवाद के बीच यह टिप्पणी आई है। भारत और चीन ने गतिरोध को हल करने के लिए राजनयिक और उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता के कई दौर में भाग लिया है, लेकिन कोई खास सफलता नहीं मिली है। दोनों पक्ष ज़मीन पर 'शांति और शांति' बनाए रखने पर सहमत हुए हैं।

संपादकीय

शिष्टता

विनम्रतापूर्वक आचरण और व्यवहार ,सभ्यता , शिष्ट आचरण , उत्तमता, श्रेष्ठता , आज्ञाकारिता आदि शिष्टता होती है । जो हमारे जीवन में झलकती हैं । कथनी और करनी एक हो हमारी सिर्फ थोथी ब□ाई न करें ।पहले कुछ अच्छा करें और फिर कुछ दूसरे को करने की सलाह दें।हमारी वाणी हित, मीत, और ऋ हो ।चिंतन -मनन पूर्वक परिमित व संयमित आदि शब्द बोलें तभी सार्थकता है । हमारे बोलने की नहीं तो चुप्पी ज्यादा अच्छी है।जिज्ञासापरक हमारी बोली होनी चाहिए विनीतता झलकें उसमें।हमारा मन संयमित होगा तब हमारी वाणी संयमित हो सकती है । हमारे मन में भावों के शुद्ध होने से वचन बनके बाहर झलकते हैं । जो शिष्टता या धूर्तता के द्योतक होते हैं ।मीठी और शीतल वाणी सब सुनना पसंद करते हैं।वाणी में मिश्री घुली हो वो सबके कानों को प्रिय लगती है । कोवें की कर्कश बोली किसी को प्रिय नहीं लगती हैं ।उसे सब उ□ाने के ताक में रहते है और कोयल की सुरीली आवाज सबके मन को भाती है । दोहा भी है - वाणी ऐसी बोलिये,मन का आपा खोय । औरन को शीतल करे,आपुन शीतल होय । सारगर्भित व सार्थक वाणी ,संयत वाणी की महत्ता को हम जान हमारे जीवन व्यवहार का एक अभिन्न अंग बनाकर सदैव हमारे जीवन को उज्ज्वल बनाएं सदा रहे यहीं मंगलभाव।भरसक रहे प्रयास सबका जीवन के आचरण में उतारने का । बात के मायने एवं तर्क बोलने-बोलने के लहजे में फर्क बदल देता है । शब्द वे ही होते है एक शब्द हमें बोलने के लहजे से ही ले जाते हैं कहीं तो दूसरे पहुँचा देते हैं और कहीं। क्योंकि हमारा लहजा गर्म भी हो सकता है नरम भी। या यो कहे की एक लहजे से बात सुलझ सकती है वही बात दूसरे लहजे में कहने से उलझ भी सकती है। कोई भी बात एक लहजे में कहने से शालीनता और शिष्टता झलकती है ।उसी बात को अगर दूसरे लहजे में कहा जाए तो अशिष्टता टपक सकती है । अत: बहुत आवश्यक है हर बात कही जाए शालीन लहजे में , सुंदर शब्दों में, सहज भाव में। ज्ञान नहीं वह अज्ञान हैं जहाँ इंसान को नहीं अपने अहम् का भान हैं । क्योंकि सरलता ही असली ज्ञानी की पहचान हैं ।अर्थ नहीं वहाँ वह अनर्थ हैं जहाँ व्यक्ति संपत्ति के मद में रत हैं । न आपसी रिश्तों का होश हैं । न शिष्टता की सौरभ हैं । ऐसी दौलत ऐसी शोहरत व्यर्थ हैं । शिष्टता हमारे उज्जवल जीवन में हर समय आवश्यक हैं ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ के योग हैं।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। जारी प्रयास सार्थन होगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है।

कर्क पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मैत्री संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। पड़ोसी या अधीनस्थ कर्मचारी से विवाद हो सकता है। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कन्या पिता का भरपूर सहयोग मिलेगा और उससे प्रगति भी होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी में सौम्यता बनाये रखे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। मकान या सम्पत्ति के मामले में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शासन सत्ता या घर के मुखिया के कारण तनाव मिल सकता है। देशाटन या व्यावसायिक यात्रा फलीभूत होगी। निजी संबंध मधुर होंगे। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।

धनु शासन सत्ता का लाभ मिलेगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। आर्थिक मामलों में सुधार होगा। षड्यंत्र की आशंका है। कोई सुखद समाचार मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। स्थानान्तरण या अन्य व्यावसायिक लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग की संभावना है। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें, कर्ज की स्थिति आ सकती है।

ऊर्जावान लोकतंत्र में अमर्यादित भाषा

मधुरेन्द्र सिन्हा

भारतीय राजनीति जिस मोड़ से गुजर रही है उसमें कीचड़ ज्यादा है और तथ्य कम हैं। हर तरफ से हर रोज कुछ न कुछ अनर्गल प्रलाप और सस्ती बातों के अलावा किसी राजनेता पर छींटाकशी आम बात हो गई है। कुंठित लोग जिनमें राजनीतिक नेता बड़े पैमाने पर हैं, किसी के भी बारे में अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने से नहीं चूकते। बहुत से तो इसमें अपनी शान समझते हैं और अपने को बड़ा समझने लगते हैं। कुछ तो जानबूझकर ऐसा कहते और करते हैं ताकि मुफ्त में पब्लिसिटी मिले। कई तो संसद और विधानसभाओं में भी अपनी कड़वी जुबान का इस्तेमाल करते हैं। भारतीय राजनीति में हल्की और सस्ती बातें कहने का चलन काफी समय से है। लेकिन पिछले दो दशकों में यह वीभत्स रूप धारण कर चुका है। उस समय जब राम मनोहर लोहिया ने इंदिरा गांधी को गूंगी गुड़िया कहा था तो काफी विवाद हुआ और बड़ी तादाद में लोगों ने लोहिया का विरोध किया। दरअसल, कांग्रेस में बड़े पद पर रहने के बाद जब वह अलग हुए तो राजनीति में उनकी वह कीमत नहीं रही थी। इस कारण वे कुंठित होने लगे और यह कुंठा उनके व्यवहार और उनके बोल में साफ झलकने लगी। यही भाव आज के उन ज्यादातर राजनीतिज्ञों में दिखता है जो कुंठा में जी रहे हैं। ऐसे ही नेता अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं। सत्ता से विमुख रहना या फिर उसे पाने के लिए किसी भी सीमा तक चले जाना, स्वाभाविक-सी बात है। कई राजनेता ईर्ष्यावश या दुर्भावना से भी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। वह खुद तो सत्ता में बने रहने के लिए कुछ भी बोलते हैं और जब विरोध करना होता है तो दूसरों के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं। कुछ बड़े नेता अपने सलाहकारों की बातों पर चलते हुए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व रहा। जिन्होंने गुजरात में भाषण देते वक्त मर्यादा तोड़ दी और तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में मंच से कहा-मौत के सौदागर। इस अपशब्द से ऐसे शीर्ष नेताओं की छवि को ही नुकसान हुआ न कि नरेन्द्र मोदी को। सभी तरफ उनकी आलोचना हुई लेकिन ऐसे नेता बाज नहीं आए और बाद में भी उन्होंने मोदी पर ज़हर की खेती करने वाला बयान दिया। लेकिन इस मामले में राहुल गांधी कुछ आगे निकल गये। अपने को प्रेम की दुकान चलाने वाला कहने वाले राहुल ने तो वक्त-बेवक्त तल्ख शब्द कहे। उन्होंने तो बीजेपी और अन्य के लिए भी बहुत ही हल्के शब्दों का इस्तेमाल किया। पिछले दिनों तो उन्होंने कहा जय श्रीराम कहो और भूखे मरो। यह उनके अंदर की खीझ को दिखाता है। अभी चुनाव में थोड़ा वक्त है तो आने वाले समय में क्या-क्या बयानबाजी होती है, कहना मुश्किल है क्योंकि इन दिनों उनके सलाहकार हैं बड़बोले जयराम रमेश जो खुद भी अक्सर हल्की भाषा का इस्तेमाल करते हैं। कांग्रेस के अध्यक्ष खड़गे भी काफी कुछ बोल चुके हैं और उनका पीएम मोदी के लिए रावण वाला बयान काफी चर्चा में रहा है। लेकिन सबसे ज्यादा हल्की बात कहते हैं मणिशंकर अय्यर। उन्होंने पीएम मोदी के लिए बहुत ही सस्ते शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने तो नीच, कातिल जैसे शब्दों का खुलेआम इस्तेमाल किया था जिसमें उनकी हताशा साफ झलकती है। कांग्रेसियों की तो सूची काफी लंबी है। चाहे वह अधीर रंजन हों या दिग्विजय सिंह या फिर संजय निरुपम और प्रियंका गांधी। सभी ने मौका देखकर बेहद हल्के शब्दों का इस्तेमाल किया जिससे उनकी खीझ का पता चलता है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि मोदी और उनकी पार्टी ने ऐसे अमर्यादित शब्दों और टिप्पणियों को अपने लाभ के लिए इस्तेमाल किया। उन्होंने अपने करोड़ों समर्थकों के सामने इन शब्दों और उन्हें बोलने वालों के खिलाफ माहौल बना दिया। नरेन्द्र मोदी को चाय वाला कहकर उनका उपहास उड़ाने वाले विपक्षियों को तो उन्होंने अपने कार्यों और उपलब्धियों से आईना दिखा दिया। आज चाय वाला शब्द मेहनतकश लोगों के सम्मान का प्रतीक बन गया है। लेकिन ऐसा नहीं है कि सिर्फ कांग्रेसी ही इस गंदे खेल में शामिल रहे। समाजवादी पार्टी, राजद, डीएमके वगैरह खुलकर अनर्गल भाषा का इस्तेमाल करते रहे। इन दिनों लालू यादव भी सुर्खियों में हैं। उन्होंने पीएम मोदी की मां के निधन के बाद हल्की बातें कीं। खासकर उनके परिवार को लेकर जिसे अब मोदी ने एक पॉजिटिव मुद्दा बना दिया। ठीक उसी तरह जैसे चौकीदार वाला मुद्दा बना था। डीएमके वाले उदयनिधि और ए. राजा तो राम के खिलाफ ही बोलने लगे। उनके मन में बीजेपी ही नहीं राम तक के लिए भी घृणा का भाव है क्योंकि इस समय वे लोग अपने को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्हें सत्ता हाथ से निकलती दिखती है। ऐसा नहीं है कि ऐसे बोल सिर्फ विपक्षी ही बोलते हैं। सनातनी और बीजेपी के लोग भी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। बाबर की औलादों वाला अपशब्द याद है न? इस तरह के कई अल्फाज उधर से भी इस्तेमाल हुए हैं। 'पाकिस्तान चले जाओ' जैसे बोल तो आम हो गये थे। सत्ता में रहने वाले थोड़ा संयत हो जाते हैं फिर भी कोई न कोई कुछ बोलता रहता है। सवाल यह है कि यह कब तक चलता रहेगा? क्या भारत के छोटे-बड़े नेता इस लोभ को संवरण कर पायेंगे या अपनी कुंठा से बाहर निकलेंगे। सत्ता से बाहर रहने पर आक्रोश और कुंठा स्वाभाविक है। हमने यह देखा है और उन नेताओं को भी जो सोचते हैं कि ऐसा बोलकर वे लोकप्रियता बटोर लेंगे।

लेकिन सच्चाई यह है कि अब जनता पढ़ी-लिखी है और दूसरी बात यह भी है कि यह सोशल मीडिया का जमाना है। अनर्गल और असभ्य किस्म की बातें करने वालों को वहां से तुरंत जवाब मिल जाता है। सोशल मीडिया के खिलाड़ी भी दोनों ओर हैं और अक्सर अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करते दिखाई देते हैं। कई पुलिस के हत्थे भी चढ़ जाते हैं और कुछ जेल भी पहुंच जाते हैं। लेकिन बड़ा सवाल है कि एक ऊर्जावान लोकतंत्र में क्या वाकई अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल कोई सफलता दिलायेगा या फिर बोलने वालों को यह देश असभ्य करार देगा?

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

हर दृष्टि से सेहत के लिए हानिकारक है धूम्रपान

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

(धूम्रपान निषेध दिवस (13 मार्च) पर विशेष)

धूम्रपान के आदी मित्रों और परिजनों को धूम्रपान छोड़ने के लिए मदद पाने को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष मार्च महीने के दूसरे बुधवार को 'नो स्मोकिंग डे' मनाया जाता है, जो इस वर्ष 13 मार्च को मनाया जा रहा है। यह दिवस पहली बार 1984 में आयरलैंड गणराज्य में मनाया गया था। प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है, जो इस साल 'तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बच्चों की सुरक्षा' विषय के साथ मनाया जा रहा है। दरअसल यह गहन चिंतन का विषय है कि पिछले कई दशकों में दुनियाभर में हुए अनेक अध्ययनों में यह प्रमाणित हो चुका है कि धूम्रपान हर दृष्टि से सेहत के लिए हानिकारक है लेकिन जब तमाम जानकारियों और तथ्यों के बावजूद हम अपने आसपास बच्चों को भी धूम्रपान करते देखते हैं तो स्थिति बेहद चिंताजनक प्रतीत होती है। ऐसे बच्चों के मनोमस्तिष्क में धूम्रपान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे धूम्रपान से उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती आती है, उनका मानसिक तनाव कम होता है, मन शांत रहता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि-आदि। चूंकि बच्चों का मन कोमल होता है, इसीलिए तमाम वैज्ञानिक शोधों के बावजूद वे यह समझने की स्थिति में नहीं होते कि धूम्रपान करने से उनके अंदर ऐसी कोई ताकत पैदा नहीं होने वाली कि देखते ही देखते वो किसी ऊंचे पर्वत पर छलांग लगा सकें या महाबली पवनपुत्र हनुमान की भांति विशाल समुद्र लांघ जाएं। वास्तविकता यही है कि धूम्रपान एक ऐसा धीमा जहर है, जो धीमे-धीमे इसका सेवन करने वाले व्यक्ति का दम घोंटता है और बच्चों पर तो इसका प्रभाव बहुत घातक होता है। धूम्रपान शरीर में कई प्रकार की प्राणघातक बीमारियों को जन्म देता है और ऐसे व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया तक पहुंचा देने का माध्यम बनता है।

दुनियाभर में धूम्रपान के कारण हर साल 70 लाख से भी ज्यादा मौतें हो रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में होने वाली मौतों में से हर 5 में से 1 पुरुष की मौत धूम्रपान के कारण हो रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों के अनुसार माना गया है कि विकसित देशों में चालीस फीसदी से ज्यादा पुरुष और इक्कीस फीसदी से ज्यादा स्त्रियां धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ आठ फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरूषों की संख्या पचास फीसदी से अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तम्बाकू के सेवन के कारण प्रतिदिन करीब आठ हजार व्यक्ति फेफड़ों के कैंसर के शिकार होकर मर जाते हैं। संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत ऐसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मारे जा चुके होंगे और अगले तीस वर्षों में केवल गरीब देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी। संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नवजात शिशु धूम्रपान की वजह से असमय काल के ग्रास बन जाते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि सभी प्रकार के कैंसर में से करीब 40 फीसदी का कारण धूम्रपान ही होता है। तीन दशक पूर्व प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' में मैंने विस्तार से यह बताया है कि धूम्रपान वास्तव में एक ऐसा धीमा जहर है, जो हमारे शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक रोगों को जन्म देता है और व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया पर पहुंचा देता है। धूम्रपान कितना खतरनाक है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि सिगरेटों के खतरनाक धुएं से करीब 50 टन तांबा, 15 टन शीशा, 11 टन कैडमियम तथा कई अन्य खतरनाक रसायन वातावरण में घुलते हैं। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि कैंसर, हृदय रोग, सांस की बीमारी, डायबिटीज इत्यादि बीमारियों में भी धूम्रपान काफी खतरनाक हो सकता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को धूम्रपान से बचना चाहिए।

अपनी पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' में मैंने विस्तार से यह बताया है कि सिगरेट के धुएं में पोलिनियम 210, कार्बन मोनोक्साइड, कार्बन डाइआक्साइड, निकल, पाईरीडिन, बेंजीपाइरीन, नाइट्रोजन आइसोप्रेनावाइड, अम्ल, क्षार, निकोटीन, टार, जिंक, हाइड्रोजन साइनाइड, कैडमियम, ग्लायकोलिक एसिड, सक्सीनिक एसिड, एसीटिक एसिड, फार्मिक एसिड, मिथाइल क्लोराइड इत्यादि चार हजार से भी ज्यादा घातक रासायनिक तत्व विद्यमान होते हैं, जो मानव शरीर को विभिन्न प्रकार से नुकसान पहुंचाते हैं। गर्भवती महिलाओं द्वारा धूम्रपान किए जाने से कम लम्बाई और कम वजन के बच्चों का जन्म, बच्चों में अपंगता तथा बाल्यावस्था में ही घातक हृदय रोग जैसी बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। प्रतिदिन बीस सिगरेट तक पीने वाली गर्भवती महिला के बच्चे की मृत्यु होने की संभावना सामान्य के मुकाबले बीस फीसदी बढ़ जाती है जबकि बीस से अधिक सिगरेट पीने पर यह खतरा पैंतीस फीसदी तक हो जाता है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक किसी दूसरे के धूम्रपान के धुएं के प्रभाव से दिल के दौरे से होने वाली मौतों की आशंका तीस फीसदी बढ़ जाती है। बहरहाल, धूम्रपान छोड़ने के फायदों के बारे में विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि धूम्रपान छोड़ने के सिर्फ बीस मिनट के अंदर उच्च रक्तचाप में गिरावट आती है तथा बारह घंटे के बाद रक्त में कार्बन मोनोक्साइड के विषैले कणों का स्तर सामान्य हो जाता है। दो से बारह सप्ताह में फेफड़ों की कार्यक्षमता में तेजी से वृद्धि होती है तथा एक से नौ माह में खांसी तथा श्वसन संबंधी समस्याएं कम हो जाती हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक मनुष्य के फेफड़ों में जादुई क्षमता होती है, जो धूम्रपान से होने वाले कुछ नुकसान को स्वयं ठीक कर देती है और जो व्यक्ति धूम्रपान छोड़ देते हैं, उनकी चालीस फीसदी कोशिकाएं ऐसे लोगों की तरह ही हो जाती हैं, जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं तथा 31 वर्ष पूर्व नशे के दुष्प्रभावों पर 'मौत को खुला निमंत्रण' पुस्तक लिख चुके हैं)

सीएए और एनआरसी बिल के माध्यम से धार्मिक ध्रुवीकरण

(लेखक - सनत जैन)

भारत सरकार ने सीएए बिल कई वर्ष पूर्व पारित किया था। तभी राष्ट्रपति की स्वीकृति भी मिल गई थी। अब इस कानून को लोकसभा चुनाव के पहले लागू किए जाने की अधिसूचना जारी की गई है। सीएए लागू किए जाने को लेकर देश में एक बार फिर हंगामा शुरू हो गया है। लोकसभा चुनाव को लेकर धार्मिक ध्रुवीकरण के लिए इसे ऐसे समय पर लागू किया जा रहा है, जब लोगों में धार्मिक आधार पर इसकी प्रतिक्रिया हो। चुनाव के पहले इस तरह की रणनीति राजनीतिक दलों द्वारा तैयार की जाती है। ताकि चुनाव में इसका लाभ उनकी पार्टी को मिले। केंद्र सरकार ने असम में एनआरसी को लेकर धार्मिक ध्रुवीकरण का एक प्रयास शुरू किया था। इसमें कोर्ट के आदेश से नेशनल रजिस्टर आफ सिटिजन बिल के जरिए लोगों से उनकी नागरिकता का प्रमाण मांगा जा रहा था। भारत में अवैध रूप से रह रहे लोगों का डाटा तैयार करने के लिए एनआरसी बिल लाया गया था। पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर के राज्यों में इसका भारी विरोध हुआ। एनआरसी का जब भारी विरोध हुआ तो देश में धार्मिक आधार पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। उसके बाद सरकार ने एनआरसी की कार्रवाई को बंद कर दिया। उसके बाद सीएए कानून संसद के दोनों सदनों में पास कराया गया। इस बिल में पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आए हुए सिंधी, जैन, सिख, बौद्ध और ईसाइयों को भारतीय नागरिकता देने का प्रावधान किया गया। इसमें मुस्लिम धर्म मानने वालों को नागरिकता दिए जाने का प्रावधान नहीं है। धार्मिक आधार पर पहली बार इस तरह का नागरिकता कानून बना है। जिसका पश्चिम बंगाल एवं पूर्वोत्तर राज्यों में भारी विरोध हो रहा है। 1971 में जब पाकिस्तान के साथ भारत का युद्ध हुआ था। उस समय बांग्लादेश से बड़ी संख्या में शरणार्थी भारत आकर बसे थे। अधिकांश शरणार्थियों को पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों में बसाया गया था। सीमा पार करके भी अवैध रूप से पिछले कुछ वर्षों में बांग्लादेश के मुस्लिम परिवार समय-समय पर भारत मैं आकर अवैध रूप से बसे हैं। 1947 में जब भारत और पाकिस्तान के बीच अंग्रेजों ने बंटवारा करके दो राष्ट्र बनाये थे, उस समय बड़ी संख्या में पाकिस्तान से सिंधी, सिख, जैन एवं बौद्ध धर्म मानने वाले परिवार भारत आकर बस गए थे। सिंधी समुदाय के लोग सबसे ज्यादा संख्या में भारत आए थे। इन्हें देश के विभिन्न राज्यों में स्थापित शरणार्थी शिवरों में रखा गया था। उनकी नागरिकता को लेकर भारत सरकार द्वारा कोई नियम कानून नहीं बनाये गए थे। इस कारण अनिश्चय की स्थिति बनी हुई थी।

केंद्र सरकार ने अब नागरिकता संशोधन कानून सीएए लागू कर दिया है। इस कानून के बन जाने के बाद पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए हुए बिना दस्तावेज वाले गैर मुसलमानों को नागरिकता देने का प्रावधान किया गया है। मुस्लिम धर्म को मानने वाले जो लोग पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आकर भारत में रह रहे हैं, उन्हें भारतीय नागरिक होने की पात्रता नहीं दी जाएगी। 1947 में भी ऐसी कोई शर्त नहीं रखी गई थी। जो भी नागरिक जहां पर भी रहना चाहता था, उसके लिए वह स्वतंत्र था। विभाजन के समय बहुत से परिवार अपने-अपने रिश्तेदारों और अपनी स्थितियों के कारण भारत से पाकिस्तान गए, और पाकिस्तान से भारत आए। भारत में नागरिकता का आधार जन्म और मतदाता सूची इत्यादि दस्तावेजों में नाम दर्ज होने से उसे भारतीय नागरिक मान लिया जाता था। 1971 में जब भारत और पाकिस्तान का युद्ध हुआ। पाक अधिकृत बांग्लादेश को स्वतंत्र देश का दर्जा भारत सरकार ने दिया। भारत सरकार ने उस समय बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मुजीबुर्रहमान के साथ मिलकर 1971 का युद्ध लड़ा था। इसमें भारत की जीत हुई। भारत के सहयोग से पाकिस्तान का एक बहुत बड़ा क्षेत्र बांग्लादेश के रूप में एक स्वतंत्र देश बन गया। इस लड़ाई में भारत को फायदा था। पाकिस्तान को दो टुकड़े में विभाजित करके भारत सरकार ने अपनी एक सीमा को सुरक्षित बना लिया था। यह उस समय की सबसे बड़ी भारत की जीत थी। भारत सरकार यदि बांग्लादेश के स्वतंत्रता सेनानियों को सहायता नहीं देती, तो बांग्लादेश कभी स्वतंत्र राष्ट्र नहीं बनता। 1947 के भारत और पाकिस्तान के बीच हुए विभाजन और 1971 के युद्ध में भारत ने पाकिस्तान से बांग्लादेश को तोड़कर नया राष्ट्र बना दिया था। उसके बाद ही पाकिस्तान शांत हुआ। भारत में नागरिकता के लिए धार्मिक आधार को बनाए जाने का विरोध मुसलमानों द्वारा किया जा रहा है। सिंधी समाज के लोगों को भी कई दशकों तक भारतीय नागरिकता से महरूम रखा गया।

करें बुजुर्गों की सेवा और बनाएं बेहतर भविष्य

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने बुजुर्गों की सुचारूसेवा के लिए ऐसे पाठ्यक्रम चलाए हैं, जिनका मुख्य ध्येय दक्ष युवा-युवतियों को प्रशिक्षित कर उनकी समस्याओं का निवारण करना है। इसलिए पिछले कुछ सालों में इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं बढ़ा हैं। इसे जेरियाट्रिक्स केयर या बुजुर्गों की देखभाल कहते हैं।

जेरियाट्रिक्स पाठ्यक्रम में मूल रूप से छात्रों को समुदाय के अंदर बुजुर्गों लोगों की स्थिति, एकल तथा संयुक्त परिवारों के गुण- दोष, सामाजिक सुरक्षा संबंधी उपाय, बुढ़ापे में मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक स्थिति को समझना तथा पुनर्वास के साथ संक्रामक रोगों पर नियंत्रण, बुजुर्गों की पहचान और उन्हें उत्पादक कार्यों में लगाना, उनकी समस्याओं से निपटारा, पोषाहार संबंधी जरूरतों की जानकारी और आहार प्रबंधन, शारीरिक संरचना और मनोविज्ञान के अलावा बुढ़ापे की देखभाल के आधारभूत सिद्धांत, उनके लिए क्लब, सरकारी और गैर सरकारी क्षेत्र से आर्थिक सहायता, बुजुर्गों की देखभाल, बुजुर्गों के रोगों की समझ, शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास तथा बुढ़ापे में किस प्रकार सक्रिय और स्वस्थ जीवन बिताया जाए आदि विषयों की जानकारी दी जाती है। थ्योरी के साथ छात्रों को घर- घर जाकर बुजुर्गों की समस्याओं पर रिपोर्ट भी तैयार करनी होती है।

पाठ्यक्रम

बुजुर्गों की देखभाल संबंधी कई कोर्स हैं जिसमें तीन महीने का प्रमाण- पत्र, छह माह तथा पीजी डिप्लोमा कोर्स शामिल है। तीन माह के कोर्स समाजसेवी संस्थाओं तथा ऐसी ही अन्य दूसरी संस्थाओं के लिए है जो देश में बुजुर्गों की देखभाल तथा उनके लिए कार्य करती हैं। छह माह के कोर्स का मुख्य उद्देश्य समर्पित व्यक्तियों की ऐसी टीम तैयार करना है जो बुजुर्गों की देखभाल के साथ उनकी समस्याओं के निपटारे में उनकी मदद करे। पीजी डिप्लोमा कोर्स में इस क्षेत्र से संबंधित गहन अध्ययन कराया जाता है, जिसमें थ्योरी सत्र, प्रेक्टिकल तथा परियोजना कार्य के अलावा इंटर्नशिप तथा सेमिनार प्रस्तुति भी सिखाई जाती है।

चयन प्रक्रिया

कम से कम 18 वर्ष की आयु के मैट्रिक पास उम्मीदवार तीन तथा छह माह के प्रमाण-पत्र कोर्स के लिए पात्र हैं। जबकि पीजी डिप्लोमा के लिए वे पात्र हैं जिनके पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से समाज विज्ञान, समाज कार्य, मानव विज्ञान, मनोविज्ञान, परिचर्या, गृह विज्ञान या समकक्ष स्नातक की डिग्री हो तथा 20 वर्ष की आयु पार कर ली हो। बुजुर्गों की देखभाल संगठनों में कार्यरत या इस क्षेत्र में प्रमाण- पत्र प्राप्त युवा, सामाजिक कार्यकर्ता, काउंसलर, स्वास्थ्य कर्मी तथा नर्सिंग के क्षेत्र में कार्यरत लोगों को प्राथमिकता दी जाती है।

प्रवेश प्रक्रिया

छह माह के सर्टिफिकेट कोर्स में दाखिला अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित की जाने वाली सामान्य योग्यता परीक्षा और उसके बाद साक्षात्कार के माध्यम से दिया जाता है, जबकि पीजी के लिए परीक्षा के बाद ग्रुप डिस्कशन व इंटरव्यू से भी गुजरना पड़ता है।

अवसर

इस क्षेत्र में छह महीने का प्रमाण पत्र तथा डिप्लोमा धारियों के लिए अपार संभावनाएं हैं। व्यक्ति सरकारी, गैर सरकारी, कॉरपोरेट क्षेत्र तथा शैक्षणिक संस्थानों में अच्छे पद पर कार्य कर सकता है। इसके अलावा गृह देखभालकर्ता, उपचार सहायक, शारीरिक चिकित्सा सहायक, सामाजिक कार्यकर्ता, परियोजना निर्देशक, कार्यक्रम अधिकारी, कल्याण अधिकारी आदि बनकर तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सेवा संस्थाओं के साथ जुड़व र भी भविष्य संवारा जा सकता है। जेरियाट्रिक्स केयर भारत सरकारी के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा चलाया जाता है। इस कोर्स की कोई भी फीस नहीं हैं, बल्कि योग्य छात्रों को 600 रूपए प्रतिमाह तक स्कॉलरशिप भी प्रदान की जाती है।

वेतनमान

प्रमाण- पत्र कोर्स या पीजी डिप्लोमा धारक 5500 से 12000 रूपए प्रतिमाह तक कमा सक ते हैं, जबकि विदेशों में वेतन लाखों में भी हो सकता है।

प्रमुख संस्थान

1. डॉ. रेड्डी हैरिटेज फाउंडेशन,हैदराबाद।
2. कोलकाता मैट्रोपोलिटेन, इंस्टीट्यूट ऑफ जिरानहोलॉजी, कोलकाता
3. न्यू इंटिग्रेटेड स्कल मैनेजमेंट एजेंसी, इम्फ ाल।
4. राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान, आर. के. पुरम. नई दिल्ली।

तकनीकी लेखक बनकर बनाएं कैरियर

तकनीकी लेखन एक तरह का तकनीकी सम्प्रेषण, औपचारिक लेखन का तरीका है, जो कई क्षेत्रों के लिए प्रयोग किया जाता है। ये क्षेत्र हैं– कंप्यूटर हार्डवेयर तथा साफ्टवेयर, एरोस्पेस उद्योग, रोबोटिक्स, वित्त, उपभोक्ता इलेक्ट्रिानिक्स और जैव–प्रौद्योगिकी आदि। प्रौद्योगिकीय लेखक तकनीकी और गैर–तकनीकी पाठकों को जटिल विचारों के बारे में अवगत कराते हैं। तकनीकी लेखक अकसर उन पाठकों के लिए लिखते हैं जो अपने विषय के बारे में अधिक जानकारी चाहते हैं। कुछ संगठनों में तकनीमी लेखकों को सूचना डेवलपर्स, प्रलेखन विशेषज्ञ, प्रलेखन इंजीनियर्स या तकनीकी कंटेन्ट डेवलपर्स कहा जाता है। एक अच्छे तकनीकी लेखक के लिए मजबूत भाषा कौशल जरूरी होता है और उन्हें उच्च प्रकृति के आधुनिक तकनीकी सम्प्रेषण की समझ होनी चाहिए।

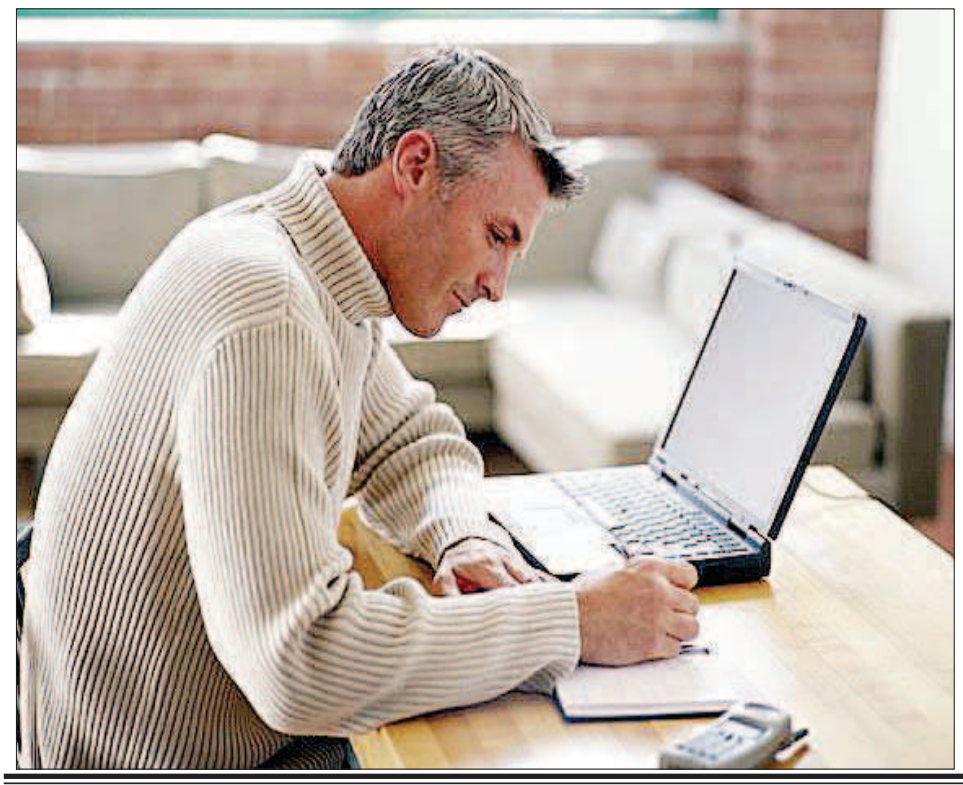

कैरियर का अवसर

औद्योगिक प्रकाशन अक्सर तकनीकी लेखकों द्वारा लिखे तथा संपादित किए जाते हैं। समाचार -पत्र पत्रिकाएं तथा वायर सेवाएं तकनीकी लेखकों को नियुक्त करते हैं। ऑटोमोबाइल उद्योग, इंजीनियरी कम्प्यूटर्स, चिकित्सा, विधि, केमिस्ट्री,जैव-प्रौद्योगिकी आदि से संबंधित व्यावसायिक पत्र-पत्रिकाओं में व्यावसायिक ज्ञानों के बारे में रिपोर्ट करने तथा संपादक के तोर पर काम करने के लिए तकनीकी लेखकों की सेवाएं ली जाती है। बहुत से तकनीकी लेखक स्वतंत्र लेखकों के तौर पर कार्य करते हैं। उन्हें कई बार कुछ विशिष्ट कार्यों के लिए उनकी सेवाएं ली जाती है, जैसे कि किसी उच्च-प्रौद्योगिकी उत्पाद या विकास के बारे में लिखना। कुछ तकनीकी लेखक तकनीकी सूचना विभागों में अनुसंधान सहायकों या एक प्रशिक्षणार्थी के रूप में कार्य शुरूकरते हैं और बाद में तकनीकी लेखकों के रूप में पदोन्नत किए जाते हैं। तकनीकी लेखक के लिए कोई वास्तविक कैरियर स्तर तो नहीं है, लेकिन वे अन्य लेखकों के प्रबंधन स्तर तक पहुंच सकते हैं। वह वरिष्ठ तकनीकी लेखक पद तक पहुंचकर, जटिल परियोजनाओं के संचालन या लेखकों तथा संपादकों की छोटी टीम का नियंत्रण करते हैं। उनकी अगली पदोन्नति एक प्रलेखन प्रबंधक के तौर पर हो सकती है, जिसे विभिन्न तरह की परियोजनाओं और टीमों का संचालन करना होता है।

तकनीकी लेखकों की विशेषताएं

उच्च प्रौद्योगिकी फर्मों में तकनीकी लेखक हर संभव तरीके से तीव्रता के साथ लिखने में सक्षम होने चाहिए तथा एक लेखन कार्य के बाद दूसरे लेखन कार्य को तेजी से कर सकते हैं। तकनीकी लेखकों के पास कई अन्य नियोजन संबंधी, जिम्मेदारियां भी होती है, जिनमें प्रलेखों के डिजाइन, लेखन या कंटेट कवरेज हेतु प्रलख की समीक्षा, तर्कसंगत संगठन और लेखनों तथा संपादकों के लिए दिशा-निर्देशों का निर्धारण करना शामिल है। तकनीकी लेखक अक्सर अपने वरिष्ठों को उपयोगी दिशा-निर्देश या कंपनी के नियमों की कठोर अनुपालना की अनुशंसा करते हैं और यह सुझाव देते हैं कि प्रलेख के लिए कौन से मानकों का पालन किया जाए। कोई प्रलेख लंबा होने पर तकनीमी लेखक के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह प्रकाशन कर्मचारियों के साथ समन्वय रखें, उन्हें बताएं कि कितना काम आ रहा है। इसे कब प्रस्तुत किया जाएगा तथा इसकी कब आवश्यकता है। तकनीकी लेखकों के पास विभिन्न तरह के संचार माध्यमों- इंटरनेट, पुस्तकों और कई बार क्षेत्र में विशेषज्ञों के साथ साक्षात्कार, डिजाइन कौशल तथा मल्टीमीडिया प्रस्तुतिकरण से उत्पाद के बारे में सूचना एकत्र करने के लिए अच्छा अनुसंधान एवं सम्प्रेषण कोशल होना चाहिए। तकनीकी लेखक किसी कंपनी की छवि के निर्माता होते हैं और उसके लाभ मे इसका महत्वपूर्ण योगदान है।

जरूरी योग्यता

तकनीकी लेखकों के क्षेत्र में औपचारिक शिक्षा की कोई अपेक्षा नहीं होती है। तकनीकी लेखक के लिए कोई भी डिग्री के साथ स्नातकोत्तर डिग्री, वरीयतन पत्रकारिता और जनसंचार में होनी चाहिए और अंग्रेजी भाषा का अच्छा ज्ञान तथा आईटी कौशल हो। इसके अलावा कंप्यूटर साक्षरता और साफ्टवेयर अनुप्रोग माइक्रोसाफ्ट वर्ड, पेज मेकर, फ्रेम मेकर, रोब हेल्प और फ्रंट पेज आदि कुछ महत्वपूर्ण कौशल भी तकनीकी लेखक के पास होना आवश्यक है। तकनीकी लेखक के कार्य सूचीपत्र, उपयोग नियम और निर्देश, तकनीकी सहायक पुस्तकें, इंजीनियरी रिपोर्ट और ऑनलाइन सहायता दस्तावेज तैयार करना। उत्पादों के वास्तविक विकासकर्ताओं को सूचित करना। इंजीनियरों,वैज्ञानिकों, फार्मास्युटिकल फर्मों और लेखाकारों के साथ मिलकर काम करना आदि योग्यताएं इनमें होना जरूरी है।

रोजगार की संभावनाएं

विभिन्न फर्मों, जैसे कि विज्ञापन एजेंसियां, साफ्टवेयर डेवलपिंग कंपनियों और समाचार-पत्रों तथा पत्रिकाओं में तकनीकी लेखकों की बहुत मांग है। आईटी उद्योग से तकनीकी लेखकों की बहुत मांग बढ़ी है। स्वतंत्र तकनीकी लेखक कंपनियों से अनुबंध आधार पर भी कार्य प्राप्त कर सकते हैं। इन्फोसिस टेकनोलाजिज लिमिटेड, सन माइक्रोसिस्टम्स, इन्फोटैक जैसी कंपनियों में अक्सर तकनीकी लेखकों की नियुक्तियां की जाती है।

प्रमुख संस्थान

- कालीकट यूनिवर्सिटी, कोझीकोड, प्रलेखन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र बंगलुरु
- जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ कम्युनिकेशन मुंबई,
- पूणे यूनिवर्सिटी, पुणे, इसके अलावा इस क्षेत्र में कई अन्य निजी संस्थान भी पाठ्यक्रम संचालित करते हैं।

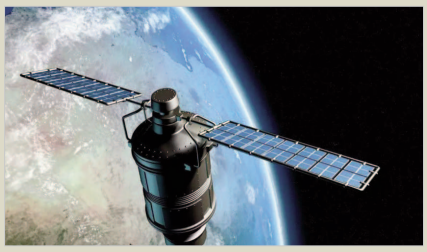

वनवेब को स्पेक्ट्रम जल्द मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली । भारती समूह द्वारा समर्थित वनवेब ने स्पेक्ट्रम के लिए आवेदन कर दिया है और उसने उम्मीद जताई है कि रेडियो तरंगों का शीघ्र आवंटन हो जाएगा। ह्यूजेस कम्युनिकेशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एचसीआईपीएल) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कंपनी को इस साल जून तक वाणिज्यिक उपग्रह संचार सेवाएं शुरू होने की उम्मीद है। एचसीआईपीएल और वनवेब ने पूरे भारत में लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) संपर्क सेवाएं मुहैया कराने के लिए एक छह वर्षीय वितरण भागीदार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि वनवेब को भारत में शुरुआती बढ़त हासिल होगी, क्योंकि भारत में उसकी प्रतिस्पर्धी कंपनियां अभी विकास के विभिन्न चरण में हैं। वनवेब ने स्पेक्ट्रम आवंटन के लिए दूरसंचार विभाग (डॉट) की वायरलेस योजना एवं समन्वय शाखा (डब्ल्यूपीसी) के पास आवेदन किया है। स्पेक्ट्रम आवंटित होने के बाद वनवेब वाणिज्यिक सेवाएं शुरू कर सकती है।उन्होंने उम्मीद जताई कि वनवेब 2024 की पहली छमाही में वाणिज्यिक सेवा शुरू करने में सक्षम हो सकेगी। उन्होंने कहा कि वनवेब कम आबादी वाले गांवों की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्थिति में है। एलन मस्क के स्वामित्व वाली स्टारलिंक जैसी डायरेक्ट-टू-मोबाइल सेवा उपलब्ध कराने की वनवेब की कोई योजना नहीं है, क्योंकि यह तकनीक अभी विकसित हो रही है और परिपक्व नहीं है।

आरके स्वामी के शेयर 13 फीसदी कमजोर होकर सूचीबद्ध

नई दिल्ली । एकीकृत विपणन सेवा कंपनी आरके स्वामी लिमिटेड के शेयर मंगलवार को 288 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 13 प्रतिशत कमजोर होकर सूचीबद्ध हुए। कंपनी के शेयर एनएसई पर 13.19 प्रतिशत टूटकर 250 रुपये के भाव पर सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य के मुकाबले 12.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 252 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। शुरुआती कारोबार में शेयर कीमत के आधार पर कंपनी का बाजार पूंजीकरण 1,420.93 करोड़ रुपये रहा। आरके स्वामी के 423.56 करोड़ रुपये के आईपीओ को 25.78 गुना अभिदान मिला था। आरके स्वामी लिमिटेड रचनात्मक क्षेत्र, मीडिया, डेटा एनालिटिक्स और बाजार अनुसंधान के लिए सेवाएं देती है।

स्पाइसजेट के वाणिज्यिक दल के कई सदस्यों ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली । स्पाइसजेट ने मंगलवार को कहा कि एयरलाइन में रणनीतिक पुनर्गठन के तहत उसके वाणिज्यिक दल के कई सदस्यों ने तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक एयरलाइन के मुख्य परिचालन अधिकारी अरुण कश्यप और मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी शिल्पा भाटिया ने अपना इस्तीफा दे दिया है। एयरलाइन के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि स्पाइसजेट के रणनीतिक पुनर्गठन के तहत मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी सहित वाणिज्यिक दल के कई सदस्यों ने तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। प्रवक्ता ने कहा कि हाल में पूंजी जुटाने के साथ ही कंपनी पिछले सभी विवादों के समाधान की प्रक्रिया तेज कर रही है और राजस्व तथा यात्रियों की संख्या में महत्वपूर्ण वृद्धि हो रही है।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों एचडीएफसी बैंक , टीसीएस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में खरीददारी से आई है। आज के कारोबार के दौरान तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 165.32 अंक करीब 0.22 फीसदी बढ़कर 73,667.96 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 3.05 अंक करीब 0.01 फीसदी बढ़कर अंत में 22,335.70 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों मारुति, इंफोसिस, टीसीएस और भारती एयरटेल के शेयरों में बढ़त रही। वहीं एसबीआई जेएसडब्ल्यू स्टील , आईटीसी , एनटीपीसी , टाटा मोटर्स, ग्रेसिम, अडानी पोर्टस और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर गिरे हैं।

इससे पहले गत दिवस बाजार में भारी गिरावट रही थी। वहीं आज सुबह घरेलू शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 42.52 अंक ऊपर 73,545.16 पर और निफ्टी 6.90 अंक ऊपर 22,339.60 पर कारोबार करता दिखा। प्री-ओपनिंग सेशन में बेंचमार्क इंडेक्स सपाट कारोबार कर रहे हैं। सेंसेक्स 34.24 अंक ऊपर 73,536.88 पर और निफ्टी 16 अंक ऊपर 22,348.70 पर दिख रहा है।

गत दिवस कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 617 अंक कमजोर हुआ। वहीं निफ्टी में भी 161 अंक की गिरावट दर्ज की गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 616.75 अंक की भारी गिरावट के साथ 73,502.64 अंक पर बंद हुआ था। सेंसेक्स में 73,433.91 और 74,187.35 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 160.90 अंक की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 22,332.65 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में 22,307.25 और 22,526.60 के रेंज में कारोबार हुआ।

ऑयल इंडिया का 2023-24 में मुनाफा बढ़ा

नई दिल्ली । ऑयल इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में मजबूत शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि राजस्व और मार्जिन में गिरावट देखी गई। तीसरी तिमाही में वित्त वर्ष 24 में ऑयल इंडिया का मुनाफा 1,584.3 करोड़ और राजस्व 5,323.7 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.3 फीसदी कम है। इस दौरान कंपनी का मार्जिन 39.6 फीसदी रहा। पिछले एक साल में ऑयल इंडिया के शेयरों में शानदार प्रदर्शन रहा है। इस अवधि में शेयर की कीमत में लगभग 140 फीसदी की वृद्धि हुई है। पिछले तीन सालों में शेयर की कीमत में 390 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है। 2024 में भी ऑयल इंडिया के शेयरों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। साल की शुरुआत से अब तक शेयर की कीमत में लगभग 70 फीसदी की वृद्धि हुई है।

फ्लाई91 की वाणिज्यिक उड़ान सेवा 18 मार्च से शुरू होगी

पणजी । क्षेत्रीय एयरलाइन फ्लाई91 अपनी वाणिज्यिक सेवाएं 18 मार्च से शुरू करेगी। इसमें गोवा को बेंगलुरु और हैदराबाद से जोड़ने वाली उड़ानें शामिल हैं। इसके अलावा एयरलाइन बेंगलुरु और हैदराबाद से सिंधुदुर्ग के लिए उड़ानें भी संचालित करेगी। फ्लाई91 के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने मंगलवार को कहा कि एयरलाइन अप्रैल से लक्षद्वीप के लिए उड़ानें शुरू करने की योजना भी बना रही है। एयरलाइन को छह मार्च को विमानन नियामक डीजीसीए ने लाइसेंस दिया था। अ धिकारी ने मोपा हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा कि फ्लाई91 के पास छह महीनों में कुल छह एटीआर 72-600 विमान होंगे। फिलहाल इसके बेड़े में दो विमान हैं। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में फ्लाई91 की योजना लगभग 35 विमानों को बेड़े में शामिल करने और 50 शहरों को जोड़ने की है। जस्ट उड़ो एविएशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित एयरलाइन टियर-2 और टियर-3 शहरों में हवाई संपर्क बढ़ाना चाहती है।

मारुति सुजुकी की कई कारें मिल रही हैं सस्ती

-ग्राहकों को दिए जा रहा है आकर्षक बेनिफिट्स

नई दिल्ली ।

पिछले कुछ महीनों से मारुति सुजुकी कंपनी द्वारा ग्राहकों को आकर्षक बेनिफिट्स दिए जा रहा है। डिस्काउंट्स की रेंज अलग-अलग शहर में अलग-अलग हो सकती है। साथ ही ये स्टॉक भी निर्भर करता है। मारुति सुजुकी अपनी प्रतिस्पर्धी कीमत के लिए जाना जाता है और उसने अपने कुछ मॉडल्स पर 4,000 रुपये से लेकर 1.5 लाख रुपये तक की छूट की घोषणा की है। इग्निस नेक्सा रेंज की एक पॉपुलर गाड़ी है। मार्च के महीने में इसके मैनुअल और एएमटी वेरिएंट पर 79,000 रुपये तक की छूट दी जा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इसके पेट्रोल वेरिएंट्स पर 48,000 रुपये तक और सीएनजी ट्रिम्स पर 33,000 रुपये तक की छूट दी जा रही है। बलेनो इग्निस की तरह सेम 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन के साथ आता है। जो 90एचपी की पावर और 113एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। सियाज और एक्सएल6 की बात करें तो इन पर क्रमशः 53,000 रुपये और 20,000 रुपये तक की छूट दी जा रही है। ग्रांड वितारा सीएनजी पर टोटल 4,000 रुपये तक की वैल्यू के बेनिफिट्स दिए जा रहे हैं।

वहीं, दूसरे वेरिएंट्स पर 59,000 रुपये तक की छूट का फायदा ग्राहक उठा सकते हैं। ग्रांड वितारा हायब्रिड की बात करें तो इस पर 79,000 रुपये तक की छूट दी जा रही है।

1.2 लीटर पेट्रोल इंजन के साथ आने वाले फ्रोंकस मॉडल्स पर 20,000 रुपये तक की छूट दी जा रही है। वहीं, 1.0-लीटर टर्बो पेट्रोल वेरिएंट्स पर 55,000 रुपये तक के बेनिफिट्स का फायदा ग्राहक उठा सकते हैं। मार्च के महीने में जिम्नी पर सबसे बड़ी छूट दी जा रही है। ग्राहक इस पर 1.5 लाख रुपये तक टोटल बेनिफिट्स का फायदा उठा सकते हैं।

सेमीकंडक्टर कारोबार में प्रवेश कर सकता है अडानी समूह

- क्वालकॉम के सीईओ से मिले गौतम अडानी

मुंबई ।

अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी क्वालकॉम के सीईओ क्रिस्टिआनो आर अमॉन से मिले। गौतम अडानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक ट्वीट के जरिए इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि क्वालकॉम के सीईओ से उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), उभरती हुई टेक्नोलॉजी और भारत में सेमीकंडक्टर्स को लेकर अमेरिकी कंपनी का विजन से मैं प्रभावित हो गया। गौतम अडानी की क्वालकॉम के सीईओ से मुलाकात को लेकर कहा जा रहा है कि अडानी ग्रुप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग में प्रवेश कर सकता है। अडानी ग्रुप के सीईओ ने लिखा कि क्वालकॉम के सीईओ से मुलाकात अच्छी रही। अमेरिका की चिप मेकर कंपनी क्वालकॉम दुनिया के अलग-अलग बाजारों को लेकर स्पष्ट नीति रखती है। भारत ने देश में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए तेजी से प्रयास किए हैं। अमेरिकी कंपनी माइक्रोन टेक्नोलॉजी का सेमीकंडक्टर प्लांट गुजरात के साणंद में बन रहा है। इस प्लांट में असेंबली, टेस्ट, मार्किंग और पैकेजिंग की जाएगी। माइक्रोन टेक्नोलॉजी इस प्लांट पर लगभग 22500 करोड़ रुपए खर्च कर रही है। यह देश का पहला हाई एंड सेमीकंडक्टर फेब्रिकेशन प्लांट होगा। उम्मीद जताई जा रही है कि यह प्लांट 2024 के अंत तक काम शुरू कर देगा। यह प्लांट न सिर्फ सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग के लिए इकोसिस्टम तैयार करेगा बल्कि इससे जुड़े कच्चे माल के उत्पादन को भी बढ़ावा देगा। इसके अलावा हाल ही में सरकार को इजरायल की टावर सेमीकंडक्टर और टाटा ग्रुप से भी प्लांट बनाने के प्रस्ताव मिले थे। सरकार फिलहाल इन दोनों के अलावा कई कंपनियों के प्रस्ताव पर विचार कर रही है।

फरवरी में घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री 11 प्रतिशत बढ़ी: सियाम

नई दिल्ली ।

भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री फरवरी में सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़ गई है। उद्योग निकाय सियाम ने यह जानकारी देते हुए कहा कि स्पोर्ट यूटीलिटी वाहनों (एसयूवी) की बाजार पर पकड़ बरकरार है। ऑटो कंपनियों ने पिछले महीने डीलरों को कुल 3,70,786 यात्री वाहन भेजे, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 3,34,790 इकाई था। सियाम के एक अे धिकारी ने कहा कि यात्री वाहनों ने इस साल फरवरी में अपनी अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की। यह आंकड़ा फरवरी 2023 की तुलना में 10.8 प्रतिशत बढ़कर 3.7 लाख इकाई रहा। समीक्षाधीन माह में कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री 35 प्रतिशत बढ़कर 15,20,761 इकाई हो गई, जो पिछले साल इसी महीने में 11,29,661 इकाई थी। इसी तरह तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री फरवरी में 54,584 इकाई रही, जो पिछले साल समान माह में 50,382 इकाई थी। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि पिछले साल के मुकाबले फरवरी 2024 में यात्री वाहनों, दोपहिया और तिपहिया वाहनों की बिक्री बढ़ी, जबकि वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में थोड़ी गिरावट हुई।

टाटा टियागो को मिले है एनसीएपी क्रैश टेस्ट में 4-स्टार

-कार का माइलेज भी है जबर्दस्त

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स की टाटा टियागो अपने सेगमेंट में मारुति ऑल्टो, एस-प्रेसो, सेलेरियो और वैगनआर जैसी कारों को टक्कर देती है। इस कार की सबसे खास बात इसकी सेफ्टी रेटिंग है। लेकिन, बजट सेगमेंट की कारें सेफ्टी के मामले में उतनी आगे नहीं होती हैं। जबकि टाटा टियागो बजट सेगमेंट की कार होते हुए भी अच्छी बिल्ड क्वालिटी के साथ आती है और इसे एनसीएपी क्रैश टेस्ट में 4-स्टार मिले हुए हैं। टाटा टियागो बाजार में 5.65 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होकर 8.90 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक की कीमत में मिलती है.इस कार में 1.2-लीटर का पेट्रोल इंजन मिलता है जो 86बीएचपी की पावर और 113 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। ये कार सीएनजी ऑप्शन में भी आती है। इस इंजन के साथ 5-स्पीड मैनुअल और 5-स्पीड एएमटी गियरबॉक्स का ऑप्शन मिलता है। जहां तक माइलेज की बात है तो कंपनी के मुताबिक पेट्रोल में इसकी माइलेज 19.01केएमपीएल है। वहीं, एक किलो सीएनजी में इसे 26.49केएम तक चलाया जा सकता है। साथ ही इसमें 8-स्पीकर साउंड सिस्टम, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल और क्रूल्ड ग्लोवबॉक्स जैसे फीचर्स भी शामिल हैं। सेफ्टी के लिहाज से इसमें पैसेंजर सेफ्टी के लिए डुअल फ्रंट एयरबैग, रियर पार्किंग सेंसर, ईबीडी के साथ एबीएस और कॉर्नरिंग स्टेबिलिटी कंट्रोल का सपोर्ट मिलता है।इस कार में ऐपल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो के साथ 7-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एलईडी डीआरएलएस के साथ प्रोजेक्टर हेडलाइट्स, रियर डिफॉगर और बैक वाइपर जैसे फीचर्स मिलते हैं।

महिलाओं की म्युचुअल फंड में 21 फीसदी हिस्सेदारी बढ़ी

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड में महिला निवेशकों की हिस्सेदारी मार्च 2017 में 15 फीसदी से बढ़कर दिसंबर 2023 में लगभग 21 फीसदी हो गई है। इस साल फरवरी में म्यूचुअल फंड में प्रबंधन के तहत कुल संपत्ति 50 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गई, इसका कारण ये भी माना जा रहा है कि बड़ी संख्या में निष्क्रिय निवेशक बचत करने और ज्यादा कमाने का लक्ष्य बना कर म्यूचुअल फंड का रुख कर रहे हैं। यह जानकारी एएमएफआई यानी एसो सिएशन ऑफ म्युचुअल फंड के आंकड़ों से मिली है। एम्फी के आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि विकास की यह गति इस अवधि के दौरान शहरी केंद्रों की तुलना में अविकसित या अल्पविकसित केंद्रों में अधिक थी। बी-30 शहरों में महिला पोर्टफोलियो और संपत्ति की हिस्सेदारी क्रमशः 15 फीसदी से बढ़कर 18 फीसदी और 17 फीसदी से 28 फीसदी हो गई है। एम्फी की ये रिपोर्ट क्रिसिल ने तैयार की, जिसमें कहा गया है कि लगभग 50 फीसदी महिला निवेशक 25-44 आयु वर्ग में आती हैं, जबकि व्यक्तिगत निवेशकों के कुल समूह में यह लगभग 45 फीसदी है। गोवा में म्यूचुअल फंड उद्योग में महिलाओं की हिस्सेदारी सबसे अधिक 40 फीसदी है, इसके बाद पूर्वोत्तर राज्य 30 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर हैं। चंडीगढ़, महाराष्ट्र और नई दिल्ली में भी प्रबंधनाधीन संपत्तियों में महिलाओं की हिस्सेदारी 30 फीसदी से अधिक है। इसके अलावा, महिला म्यूचुअल फंड वितरकों की संख्या भी बढ़ी है। दिसंबर, 2023 तक इनकी संख्या 42,000 के स्तर पर पहुंच गई।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बदलीं

ब्रेंट क्रूड 0.22 फीसदी बढ़कर 83.83 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। मंगलवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.14 फीसदी बढ़कर 80.19 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.22 फीसदी बढ़कर 83.83 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं मंगलवार को कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुछ बदलाव देखा जा रहा है। महाराष्ट्र में पेट्रोल की कीमत में 5 पैसे और डीजल में 3 पैसे की गिरावट आई है। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल 1 पैसे महंगा हुआ है, जबकि डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं है। राजस्थान में पेट्रोल की कीमत में 9 पैसे और डीजल की कीमत में 7 पैसे का इजाफा हुआ है। बिहार में पेट्रोल और डीजल की कीमत में 10-10 पैसे की बढ़ोतरी हुई है। मध्य प्रदेश में मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं हुआ है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 55 पैसे और डीजल 53 पैसे महंगा हो गया है। हिमाचल प्रदेश और आंध्र प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में बढ़ोतरी दिख रही है। तेलंगाना में पेट्रोल 60 पैसे और डीजल 56 पैसे सस्ता हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल 102.86 रुपये और डीजल 94.46 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपये और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.44 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपये और डीजल 94.36 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

स्पेसएक्स ने 6 घंटे के अंदर 46 स्टारलिंक सैटेलाइट लांच किया

नई दिल्ली ।

एलन मस्क की एयरोस्पेस कंपनी स्पेसएक्स ने छह घंटे के भीतर पृथ्वी की निचली कक्षा में 46 स्टारलिंक इंटरनेट उपग्रहों को प्रक्षेपित किया। कंपनी ने अपने कहा कि उपग्रहों को फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन में स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स 40 (एसएलसी -40) से कंपनी के दो चरण वाले फाल्कन 9 रॉकेट से प्रक्षेपित किया गया है। 23 उपग्रहों का पहला सेट भारतीय समय के अनुसार सोमवार सुबह 4:35 बजे रवाना हुआ।कंपनी ने कहा कि यह इस मिशन का सपोर्ट करने वाले रॉकेट की 11वीं उड़ान थी। इसने पहले ऊ-5, जीपीएस 3 स्पेस व्हीकल 6, इनमारसैट आई6-एफ2, सीआरएस-28, इंटेलसैट जी-37, एनजी-20 और अब पांच स्टारलिंक उपग्रह प्रक्षेपित किए जा चुके हैं।

इससे पहले 9 अगस्त को स्पेसएक्स ने अपने स्टारलिंक इंटरनेट उपग्रहों का एक और बड़ा बैच ऑर्बिट में लॉन्च किया था और समुद्र में एक जहाज पर एक रॉकेट उतारा। स्पेसएक्स कर्मिशियल इंटरनेट सेवा प्रदान करने के लिए स्टारलिंक नामक एक उपग्रह इंटरनेट समूह विकसित कर रहा है। जनवरी 2020 में स्टारलिंक कंसटेलेशन अब तक का सबसे बड़ा उपग्रह तारामंडल बन गया है और जुलाई 2022 तक इसके ऑर्बिट में 2700 से अधिक छोटे उपग्रह शामिल हैं।

रॉय आईपीएल से हटे , केकेआर ने सॉल्ट को शामिल किया

मुम्बई । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम ने बल्लेबाज जेसन रॉय की जगह पर आईपीएल 2024 के लिए फिल सॉल्ट को अपनी टीम में शामिल किया है। इससे पहले रॉय ने निजी कारणों से आईपीएल से नाम वापस ले लिया था। आईपीएल के ठीक पहले रॉय का बाहर होना केकेआर के लिए करारा झटका है। केकेआर ने हालांकि इसे स्वीकार करते हुए सॉल्ट के रुप में एक विकल्प रखा है। केकेआर ने उन्हें 1.5 करोड़ रुपये आधार मूल्य पर शामिल किया है।.आईपीएल की ओर से कहा गया कि केकेआर ने निजी कारणों से आगामी आईपीएल 2024 से बाहर होने की घोषणा की है। उनकी जगह पर शामिल सॉल्ट का बेस प्राइट 1.5 करोड़ रुपए था पर किसी फ्रेंचाइजी को उनमें रुचि नहीं थी। इस कारण वह नहीं बिके। वह इससे पहले भी आईपीएल खेले हैं। साल 2023 के आईपीएल में वह दिल्ली कैपिटल्स की ओर से उतरे थे पर खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें दिल्ली ने बाहर कर दिया था। वहीं अब तक आईपीएल में सॉल्ट ने 9 मुकाबले खेले हैं। जिसमें उन्होंने 27 के औसत से 218 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 87 का रहा है। अब देखना होगा कि इस साल वह आईपीएल में केकेआर की ओर से कैसा प्रदर्शन करते हैं।

टी20 विश्वकप में विराट, रोहित और शाकिब सहित एशियाई खिलाड़ियों का प्रदर्शन रहा है बेहतर

मुम्बई ।

वेस्टइंडीज और अमेरिका में आगामी टी20 विश्वकप के लिए सभी टीमें तैयारियों में लगी हैं। इस टूर्नामेंट में एक बार फिर प्रशंसकों को फटाफट क्रिकेट का रोमांच देखने को मिलेगा। 9वां टी20 विश्व जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। टी20 विश्वकप की सबसे पहले संस्करण की विजेता भारतीय टीम रही है। वहीं भारत के विराट कोहली और रोहित शर्मा और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन सहित एशियाई टीमों के खिलाड़ियों का इस टूर्नामेंट में दबदबा रहा है। सबसे अधिक मैच रोहित ने खेले है जबकि रन विराट और विकेट शाकिब ने लिए हैं। अब तक आठ बार हुए इस टूर्नामेंट में वेस्टइंडीज और इंग्लैंड की सबसे अधिक दो-दो बार विजेता रही है। वहीं भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया ने एक-एक बार जीत दर्ज की है। वेस्टइंडीज और इंग्लैंड की टीम भले ही सबसे अधिक बार यह टूर्नामेंट जीती हैं पर इसमें प्रदर्शन के मामले में एशियाई खिलाड़ी सब पर भारी पड़े हैं। भारत के रोहित और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन ने अब तक के सभी आठ टी20 विश्वकप खेले हैं। ये दोनों ही खिलाड़ी इस बार भी टूर्नामेंट में खेलते नजर आएंगे। टूर्नामेंट में सबसे अधिक मैच खेलने, सर्वाधिक रन बनाने और सबसे अधिक विकेट भी एशियाई खिलाड़ियों ने ही लिए हैं। भारत के रोहित साल 2007 के शुरुआती टी20 विश्वकप से इस टूर्नामेंट का हिस्सा हैं। टूर्नामेंट के आठ सत्र में उन्होंने अब तक सबसे अधिक 39 मैच खेले हैं। रोहित की तरह ही आठों टूर्नामेंट में खेले शाकिब ने 36 मैच खेले हैं जबकि श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान 2007 से 2016 के बीच छह टूर्नामेंट में 35 मैच खेलकर तीसरे स्थान पर हैं। वेस्टइंडीज के हरफनमौला ड्वेन ब्रावो, पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी व शोएब मलिक और ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर 34-34 मैचों के साथ इस सूची में संयुक्त रूप से चौथे क्रम पर हैं। वहीं विराट ने 27 मैचों में सबसे जयादा 1141 रन बनाये हैं। उनका 81.5 का औसत रहा है। 2012 से टी20 विश्वकप में खेल रहे विराट छठी बार टूर्नामेंट में खेलते नजर आएंगे। टेस्ट खेलने वाले देशों में टी20 में 50 से अधिक का औसत बनाने वालों में विराट एकमात्र खिलाड़ी हैं। 127 टी20 मैचों में उन्होंने अब तक 51.75 के औसत और 138.15 के स्ट्राइक रेट से 4037 रन बनाए हैं। टी20 विश्वकप यह रन औसत 81.5 तक जा पहुंचा है। वहीं दूसरे नंबर पर श्रीलंका के महेला जयवर्धने रहे हैं। उन्होंने पांच टी20 विश्वकप के 31 मैचों में 39.07 के औसत और 134.74 के स्ट्राइक रेट से 1016 रन बनाए हैं।

सूर्यकुमार आईपीएल के शुरुआती दो मैचों से बाहर हुए

नई दिल्ली।

आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव 22 मार्च से शुरु हो रहे आईपीएल के शुरुआती दो मैच नहीं खेल पायेंगे। सूर्या के टखने की सर्जरी हाल में हुई है और वह अभी तक इससे उबर नहीं पाये हैं। अभी वह बेंगलुरु की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में उनके आईपीएल के शुरुआती दो मैचों में खेलने की संभावनाएं नहीं हैं। सूर्या के बाहर होने से मुम्मई इंडियंस को करारा झटका लगा है। मुंबई इंडियंस की टीम आईपीएल में अपना पहला मुकाबला 24 मार्च को गुजरात टाइटंस से खेलेगी। सूर्या फिट नहीं होने के कारण पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर हैं और ऐसे में वह आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन कर वापसी का प्रयास करेंगे। बीसीसीआई के अनुसार इस बल्लेबाज का रिहैबिलिटेशन सही रास्ते पर है और वह निश्चित रूप से आईपीएल के आगामी सत्र में वापसी करेगा। करेंगे। एनसीए की 'स्पोर्ट्स साइंस और मेडिकल टीम की मंजूरी के बाद ही वह गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 27 मार्च से शुरु हो रहे मैच में खेल सकेंगे। सूर्यकुमार के इंस्टाग्राम हैंडल को देखे तो उन्होंने स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग से जुड़े व्यायाम करते हुए कुछ वीडियो भी साझा किए हैं। उन्होंने हालांकि अभी तक बल्लेबाजी अभ्यास का कोई वीडियो साझा नहीं किया है। मुंबई इंडियन्स के शुरुआती मैच में अभी 12 दिन बाकी हैं ऐसे में इससे पहले फिट होने के लिए उनके पास काफी कम समय है। सूर्यकुमार मुंबई के सबसे अहम बल्लेबाजों में से एक है। उनके नाम 60 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 4 शतक और 171 से अधिक के स्ट्राइक रेट के साथ 2,141 रन है।

शमी टी20 विश्वकप से बाहर हुए : जय शाह

ऋषभ के खेलने की संभावनाएं

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्वकप से बाहर हो गये हैं। शमी को इसलिए शामिल नहीं किया गया है क्योंकि हाल में उनकी सर्जरी हुई है। ऐसे में उनके टी20 विश्वकप तक फिट होने की संभावनाएं नहीं हैं। शमी का बाहर होना भारतीय टीम के लिए एक करारा झटका है क्योंकि पिछले कुछ समय में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। मोहम्मद शमी की फरवरी में एड़ी की सर्जरी हुई है। वे अभी इससे उबर रहे हैं। ऐसे में उनके जून-जुलाई तक फिट होने की संभावनाएं नहीं हैं। वहीं दूसरी ओर विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के टी20 विश्वकप में खेलने की संभावनाएं बन रही हैं। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने शमी की फिटनेस को लेकर कहा। शाह ने कहा, 'शमी की सर्जरी हुई है। वह लंदन में सर्जरी कराने के बाद स्वदेश लौट आए हैं।' उन्होंने कहा कि शमी की वापसी बांग्लादेश के साथ होने वाली घरेलू सीरीज में हो सकती है। भारतीय टीम को बांग्लादेश के साथ सितंबर में 2 टेस्ट मैच और 3 टी20 मैच खेलने हैं। शमी ने भारत के लिए अपना अंतिम मैच पिछले साल 19 नवंबर को खेला था जो वर्ल्ड कप फाइनल था। इसके बाद से ही शमी भारतीय टीम से बाहर हैं। वहीं शाह ने ऋषभ को लेकर कहा कि वह तेजी से फिट हो रहे हैं। साथ ही कहा कि वह अच्छी बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें शीघ्र ही फिट घोषित किया जा सकता है।

जायसवाल, एनाबेल सदरलैंड को फरवरी के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया

दुबई।

भारत के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को फरवरी 2024 के लिए आईसीसी पुरुष खिलाड़ी ऑफ द मंथ का पुरस्कार दिया गया है, जबकि ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड ने आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीता। यशस्वी जायसवाल ने पिछले महीने बल्ले से खूब धूम मचाई। इंग्लैंड के खिलाफ विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट की पहली पारी में दोहरे शतक (209) के साथ जायसवाल अपने प्रदर्शन के शीर्ष पर थे और फिर तीसरे टेस्ट की दूसरी पारी (214) में श्रृंखला का अपना दूसरा दोहरा शतक लगाया। जायसवाल ने अपने पहले तीन टेस्ट मैचों में 560 रन बनाए, जिसमें 20 सिक्स शामिल थे। पहला टेस्ट हारने के बाद जायसवाल की पारी से भारत को सीरीज में वापसी करने में मदद मिली। 22 साल और 49 दिन की उम्र में बैक-टू-बैक दोहरे शतक ने उन्हें सर डोनाल्ड ब्रैडमैन और विनोद कांबली के बाद टेस्ट में दो दोहरे शतक बनाने वाला दुनिया का तीसरे सबसे युवा बल्लेबाज बना दिया। जायसवाल ने आईसीसी से कहा, ÷मैं आईसीसी पुरस्कार हासिल करके वास्तव में खुश हूं और मुझे उम्मीद है कि भविष्य में मुझे और पुरस्कार मिलेंगे। यह सर्वश्रेष्ठ में से एक है और यह मेरी पहली पांच मैचों की श्रृंखला है। मैंने वास्तव में इसका आनंद लिया, जिस तरह से मैंने खेला है और हमने श्रृंखला 4-1 से जीती है। यह मेरे लिए एक अविश्वसनीय अनुभव रहा है। जायसवाल ने राजकोट में नाबाद 214 रन की पारी को भी अपने लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया। युवा भारतीय सलामी बल्लेबाज ने फरवरी में कई रिकॉर्ड बनाए और राजकोट पारी के दौरान एक टेस्ट पारी में सर्वाधिक छक्के (12) के लंबे समय से चले आ रहे टेस्ट रिकॉर्ड की बराबरी की। अपने श्रेय के लिए, उन्होंने मार्च में अपना फॉर्म बरकरार रखा और 1,000 टेस्ट रन के मील के पत्थर तक पहुंच गए।

साथ ही वो यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे सबसे तेज भारतीय बन गए। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड जीतने वाली पांचवीं ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बन गईं, जो पिछले विजेताओं एलिसा हीली, राचेल हेन्स, ताहलिया मैकग्रा और एश्ले गार्डनर के सम्मानित रैंक में शामिल हो गईं। सदरलैंड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में अपने दोहरे शतक के साथ रिकॉर्ड बुक को फिर से लिखा।

संक्षिप्त समाचार

बीसीसीआई ने ऋषभ को फिट करार दिया, आईपीएल खेलने का रास्ता साफ

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को खेलने के लिए फिट करार दिया है। इस प्रकार ऋषभ अब एक बार फिर मैदान में खेलते हुए नजर आयेंगे। ऋषभ के फिट होने की इस खबर से उनके प्रशंसकों में खुशी की लहर है। इस क्रिकेटर की आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स भी इससे उत्साहित है। ऋषभ आखिरी बार 25 दिसंबर 2022 में अंतिम बार मैदान पर उतरे थे। 30 दिसंबर हुए कार हादसे के बाद से ही वह खेल से दूर थे। तकरीबन दो महीने पहले से ही इस क्रिकेटर ने अभ्यास शुरु कर दिया था। उन्होंने कुछ अभ्यास मैच भी खेले हैं। अब बीसीसीआई ने भी उन्हें फिट करार दिया है। बीसीसीआई ने ऋषभ के फिट होने की सूचना सोशल मीडिया पर भी दी है। इसमें कहा गया है कि इस क्रिकेटर को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर फिट घोषित किया गया है. यह इस बात का भी संकेत है कि ऋषभ दिल्ली कैपिटल्स में कप्तान के तौर पर वापसी करेंगे। हाल ही में टीम के कोच रिकी पोंटिंग ने कहा भी था कि पंत बतौर कप्तान वापसी कर सकते हैं। वहीं साल 2023 में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी डेविड वॉर्नर ने की थी। .

दो साल तक पेट की बीमारियों से परेशान रहे देवदत्त

मुम्बई । क्रिकेटर देवदत्त पडिक्कल ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से शानदार पदार्पण किया है। इससे पहले 2020 में अपने पहले आईपीएल में भी उन्हें अवार्ड मिला था। इस क्रिकेटर का करियर आसान नहीं रहा है। उन्हें दो साल तक बीमारी से संघर्ष करना पड़ा है। इससे उनकी बल्लेबाजी पर भी प्रभाव पड़ा है। इस बल्लेबाज को साल 2021 से 2023 तक खराब सेहत से परेशानी हुई। जब देवदत्त को टेस्ट कैप मिली तो आर अश्विन ने उनके लचीलेपन की प्रशंसा की। अश्विन ने मजबूत होने और कभी हार न मानने के लिए उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि कठिन समय आपको मजबूत बनाता है। उन्हें रणजी सहित घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के कारण टेस्ट कैप मिली थी। 2022 में देवदत्त पडिक्कल का वजन काफी कम हो गया था। उनकी बीमारी ने उन्हें कमज़ोर बना दिया और इसका असर उनकी बल्लेबाजी पर भी पड़ा। उन्हें फिर से मजबूत होने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। उन्हें आंत संबंधी बीमारी थी। इसके कारण वह पेट में दर्द, दस्त और उल्टी से परेशान रहे। ये समस्याएं संक्रमण, कुछ गलत खाने, दवा के दुष्प्रभाव या अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के कारण होती हैं। आंतों की समस्याओं का एक सामान्य कारण गैस्ट्रोएंटेराइटिस है, जो पेट और आंतों की सूजन है।

महिला प्रीमियर लीग में गुजरात जायंट्स ने यूपी वारियर्स को हराया

बेंगलुरु ।

गुजरात जायंट्स ने यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) में यूपी वारियर्स को आठ रन से हरा दिया। ये गुजरात की इस लीग में दूसरी जीत है। इसी के साथ ही वारियर्स की प्लेऑफ में जगह बनाने की उम्मीदें टूट गयी हैं।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात जायंट्स ने कप्तान बेथ मूनी के नाबाद 74 और साथी सलामी बल्लेबाज लौरा वोल्वार्ड्ट के 43 रनों की सहायता से अच्छी शुरुआत की। इसके बाद गुजरात जायंट्स ने लगातार विकेट खोये जिससे टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 152 रन ही बना पायी। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए वारियर्स की टीम पांच विकेट पर 144 रन ही बना पायी।

एशले गार्डनर 15 और कैथरीन ब्राइस 11 रन ही बना पायीं। सोफी एक्लेस्टोन ने तीन जबकि दीप्ति शर्मा 2 विकेट लिए। इसके बाद 153 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वारियर्स की ने शुरुआती विकेट खो दिये। कप्तान एलिसा हीली 4, किरण नवगिरे शून्य पर ही आउट हो गयीं।

दीप्ति शर्मा ने एक छोर संभाले रखा और नाबाद 88 रन बनाए और पूनम खेमनार ने 36 रन बनाकर यूपी वॉरियर्स की ओर से प्रयास जारी रखे। शबनम एमडी ने तीन विकेट लिए। दीप्ति ने अर्धशतक लगाया और छठे विकेट के लिए 109 रन बनाये पर अंत में टीम आठ रन से लक्ष्य हासिल करने से रह गयी। लेकिन प्रगति बहुत धीमी थी और यूपी वारियर्स ने अंत तक आगे बढ़ने के लिए खुद को बहुत बड़ी बाधा बना लिया। आखिरकार वे आठ रन से चूक गए।संक्षिप्त स्कोर ÷गुजरात जायंट्स ने 20 ओवर में 152/8 (लौरा वोल्वार्ड्ट 43, बेथ मूनी 74 नाबाद; सोफी एक्लेस्टोन 3-38, दीप्ति शर्मा 2-22) ने यूपी वारियर्स को 20 ओवर में 144/5 (दीप्ति शर्मा 88 नाबाद, पूनम खेमनार 36), शबनम एमडी 3-11) आठ रन से हराया।

श्रेयस अय्यर के फार्म में आने से केकेआर को मिली राहत

नई दिल्ली । आईपीएल टीम कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को जहां बल्लेबाज जेसन रॉय के बाहर होने से झटका लगा है। वहीं श्रेयस अय्यर के फार्म में वापस आने से खुशी हुई है। श्रेयस ने रणजी फाइनल में शानदार पारी खेलकर लय हासिल की है। पिछले कुछ समय से फिटनेस और फॉर्म से जूझ रहे इस खिलाड़ी ने बड़े मुकाबले में अर्धशतक लगाया। अय्यर की पारी से केकेआर प्रबंधन और प्रशंसक इसलिए भी खुश हैं क्योंकि उन्होंने फर्स्टक्लास मैच में भी टी20 की तरह से बल्लेबाजी की है। पांचवें नंबर पर बैटिंग करने आए अय्यर ने 62 गेंद पर ही अपने पचास रन पूरे कर लिए। उन्होंने अपनी पारी में 6 चौके और 2 छक्के लगाये। अय्यर का यह 2024 में छठा मैच है। उन्होंने इन छह मैच की 10वीं पारी में अर्धशतक लगाया है। अभी दो दिन पहले ही जेसन रॉय ने आईपीएल से नाम वापस ले लिया था। जिससे केकेआर को झटका लगा था। अब अय्यर के फार्म में आने से उसे राहत मिली है।

पंड्या आईपीएल में जीत के लिए कोच के साथ पूजा करते दिखे

मुंबई ।

आईपीएल के 17 सत्र में मुम्बई इंडियंस की कप्तानी करने जा रहे ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या जीत के लिए पूजा करते नजर आये। इस दौरान उनके साथ टीम के कोच मार्क बाउचर भी थे। हार्दिक को 22 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल के लिए रोहित शर्मा की जगह पर मुंबई इंडियंस (एमआई) का नया कप्तान बनाया गया है। वहीं अब एमआई के एक वीडियो में पंड्या को ड्रेसिंग रूम में प्रवेश करते और मुख्य कोच मार्क बाउचर के साथ पूजा करते देखा गया है। गौरतलब है कि गत वर्ष नवंबर में पंड्या गुजरात टाइटंस (जीटी) से अपनी पहले वाली टीम मुम्बई में वापस आ गये थे। उनकी कप्तानी में गुजरात एक बार विजेता भी बनी। वहीं दूसरे साल उपविजेता रही। गुजरात के लिए 31 मैचों में पंड्या ने 37.86 की औसत और 133 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 833 रन बनाए है। जिसमें छह अर्धशतक भी शामिल हैं। पंड्या ने साल 2015 से 2021 तक एमआई के लिए 92 मैच खेलकर 27.33 की औसत और 153 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 1,476 रन बनाए हैं। इसमें चार अर्धशतक भी शामिल है। उन्होंने टीम के लिए 42 विकेट भी लिए। पंड्या ने 5 आईपीएल ट्रॉफी भी जीती हैं, जिनमें से 4 एमआई (2015, 2017, 2019, 2020) और जीटी (2022) के साथ हैं।

आरसीबी इस बार जीत सकती है आईपीएल : पठान

मुंबई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है कि इस बार 22 मार्च से शुरू होने वाली इंडियन प्रीमियर टी20 लीग (आईपीएल) में आरसीबी जीत सकती है। इस टूर्नामेंट में आरसीबी का पहला मुकबला गत चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) से होगा। पठान के अलावा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मैथ्यू हेडन भी ऐसा ही मानते हैं।

पठान ने आरसीबी की संभावनाओं को लेकर कहा कि टीम की बल्लेबाजी अच्छी है। इसके साथ ही सपाट पिचों पर उसके तेज गेंदबाज काफी प्रभावी साबित हो सकते हैं। पठान ने आरसीबी के पूर्व विराट कोहली की टीम के इस साल पहली आईपीएल ट्रॉफी जीतने की संभावनाओं को बेहतर बताया है। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी अब लंबी हो गई है, जो कुछ समय पहले नहीं थी। और साथ ही, बहुत से लोग आरसीबी को अवसर नहीं दे रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी गेंदबाजी प्रभावी नहीं है।

मुझे भी लगता है कि गेंदबाजी बेहतर हो सकती थी, लेकिन उन्होंने जो किया है वह यह है कि उस पिच पर उनके पास एक्सप्रेस गति है। यदि आप चिन्नास्वामी की पिच जैसी सपाट पिचों पर लगातार 140 से अधिक की तेजी गेंदबाजी कर सकते हैं, तो कभी-कभी यह काम कर सकता है। इरफ़ान ने कहा कि विराट के लिए, यह एक बहुत ही खास पल होगा क्योंकि वह 2008 से ऐसा चाह रहे थे लेकिन वह उस ट्रॉफी को हासिल नहीं कर पाए। वहीं हेडन ने इस आईपीएल के लिए आरसीबी की संभावनाओं को लेकर कहा कि विराट ने 2023 में जिस तरह से प्रदर्शन किया, वह उनके 16 सीज़न में दूसरे स्थान पर था, इसलिए यह सिर्फ रन नहीं था, यह शीर्ष पर स्ट्राइक रेट था पर आरसीबी हमेशा इस टूर्नामेंट में विफल इसलिए रही है क्योंकि उसके पास प्रभावी गेंदबाज नहीं थे।

पाक के पूर्व तेज गेंदबाज आमिर दर्शकों के फिक्सर कहने पर भड़के

लाहौर । यहां जारी पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में क्वेटा ग्लेडिएटर्स की ओर से खेल रहे पाक टीम के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई। मैदान में आये दर्शकों ने उन्हें फिक्सर तक कह दिया। इससे आमिर बुरी तरह से भड़क गये। ये मामला पीएसएल के 28 वें मैच का है जो लाहौर कलंदर्स और क्वेटा ग्लेडिएटर्स के बीच हुआ। इस मुकाबले में क्वेटा ने अच्छी जीत हासिल की पर उसके गेंदबाज आमिर की इस मैच में प्रशंसकों ने जमकर हूटिंग की। आमिर जब वह फील्डिंग कर के वापस आ रहे थे तो प्रशंसक उन्हें फिक्सर-फिक्सर कह रहे थे। इस दौरान आमिर और प्रशंसकों के बीच झड़प भी हुई। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इस मैच के दौरान आमिर जब मैदान से बाहर आकर ड्रेसिंग रूम में जा रहे थे तो प्रशंसक उन्हें फिक्सर- फिक्सर कहने लगे। आमिर जब वहां से गुजरे तो उन्होंने एक प्रशंसक की आवाज सुन ली. तब आमिर वापस आए और उसे फटकारते हुए कहा कि घर से यही सीख कर आते हो। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। गौरतलब है कि आमिर को मैच फिक्सिंग के आरोप में साल 2010 में जेल जाना पड़ा था। इसमें उन्हें 6 महीने जेल की सजा हुई थी। स्पॉट फिक्सिंग के मामले में उनपर पांच सालों का प्रतिबंध भी लगा था। इसके बाद से ही आमिर अब टी20 लीग ही खेलते हैं।

न्यू भेस्तान जंक्शन क्षेत्र में डेढ़ किलोमीटर का डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर ट्रैक खोला गया

सूरत।

न्यू मकरपुरा से न्यू घोलवड तक 244 किलोमीटर के वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के ट्रैक का प्रधानमंत्री ने वर्चुअल मीडिया के जरिए शुभारंभ किया। इसमें सूरत के नए भेस्तान जंक्शन के क्षेत्र में डेढ़ किलोमीटर लंबे डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का शुभारंभ भी शामिल है। अहमदाबाद से 8 5,000 करोड़ रुपये से अधिक की 6,000 रेल परियोजनाओं का ई-शिलान्यास और ई-उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया, जिसके तहत भेस्तान जंक्शन पर विधायक संदीपभाई देसाई विशेष रूप से मौजूद थे।

विधायक संदीपभाई देसाई ने कहा कि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का हिस्सा चालू हो जाने से अब दिल्ली से गुजरात के बंदरगाहों तक कंटेनर पहुंचाने में केवल 12 घंटे लगेंगे। पहले गुजरात के बंदरगाहों तक कंटेनर पहुंचाने में डेढ़ से दो दिन से ज्यादा का समय लगता था।

यह कहते हुए कि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से रेलवे परिवहन को गति मिलेगी, श्री देसाई ने आगे कहा कि मालगाड़ियों को ध्यान में रखते हुए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर मालगाड़ियाँ गुजरेंगी जिससे मौजूदा रेलवे ट्रैक पर बोझ कम हो जाएगा। उन्होंने कहा, रेलवे विभाग की इस पहल से मुंद्रा, पीपावाव, कांडला हजीरा, दहेज सहित राज्य के बंदरगाहों की देश के उत्तरी और पूर्वी राज्यों से कनेक्टिविटी तेज हो जाएगी।

इस अवसर पर नगरसेविका वैशालीबेन, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर दिवस। मुख्य परियोजना प्रबंधक (इलेक्ट्रिकल) के. सी.वनकर, सहायक परियोजना प्रबंधक (सिविल) जे.वैर, वार्ड अध्यक्ष दीपकभाई चौधरी, पार्षद रीनाबेन राजपूत, रेलवे समिति सदस्य अजितसिह, नेता मुकेशभाई, राहुल पटेल, सुभाषभाई, रेलवे विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

जैनम ब्रोकिंग लिमिटेड ने 15-16 मार्च को वाईपीडी वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर डुमस में इंडियन ऑप्शंस कॉन्क्लेव 5.0 थीम पर "ट्रेडर्स महाकुंभ" का आयोजन किया

सूरत।

दुनिया के विकसित देशों में व्यापारी फ्युचर ट्रेडिंग की तुलना में ऑप्शन ट्रेडिंग में अधिक व्यापार करते हैं। हालाँकि, पिछले दो-तीन वर्षों में भारतीय बाजार में ऑप्शन ट्रेड में शेयरों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी है, लेकिन वॉल्यूम के मामले में यह अभी भी पीछे है। ऑप्शन ट्रेडिंग में व्यापारियों के बीच अभी भी पर्याप्त जागरूकता नहीं है। ऑप्शन ट्रेडिंग के मुद्दे पर जागरूकता पैदा करने के लिए गुजरात की अग्रणी स्टॉक ब्रोकिंग कंपनियों में से एक जैनम ब्रोकिंग लिमिटेड द्वारा 15-16 मार्च को सूरत में मेगा ऑप्शन कॉन्क्लेव 5.0 का आयोजन किया गया है।

दो दिवसीय आयोजन की थीम "व्यापारी महाकुंभज्ज होगी। यह 15 और 16 मार्च, 2024 को गुजरात के सूरत में एक नवनिर्मित प्रीमियम स्थल वाईपीडी वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता, इंटरैक्टिव सेशन, लाइव ट्रेडिंग, पैनल चर्चा और नेटवर्किंग के अवसर शामिल होंगे।

इंडियन ऑप्शन कॉन्क्लेव 5.0 को ट्रेडर्स और निवेशकों को गतिशील और जटिल ऑप्शन मार्केटमें नवीनतम अंतर्दृष्टि, रणनीतियों, उपकरणों और तकनीकों के साथ बाजार में अपने कौशल और मुनाफे को बढ़ाने के लिए प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कार्यक्रम विभिन्न विषयों को कवर करेगा जैसे:

- ऑप्शन की बुनियादी और उन्नत अवधारणाएँ
- ऑप्शन ट्रेडिंग रणनीति और समायोजन
- ऑप्शन जोखिम प्रबंधन और पोर्टफोलियो अनुकूलन
- ऑप्शन विश्लेषण और एल्गोरिदम
- ऑप्शन कराधान और अनुपालन

- ऑप्शन बाजार के रुझान और अवसर

यह आयोजन भारत के कुछ सबसे प्रसिद्ध और सफल ऑप्शन ट्रेडर्स और निवेशकों की सफलता की कहानियों और सर्वोत्तम प्रथाओं को भी प्रदर्शित करेगा। इसमें विशाल मलकान, मदन कुमार, शारिक शम्सुद्दीन, विवेक बजाज, हर्षुभ शाह और अन्य सफल निवेशक शामिल हैं जो ऑप्शन मार्केटमें अपनी यात्रा से सीखे गए टिप्स और ट्रिक्स, चुनौतियां और समाधान और सबक साझा करेंगे।

सूरत रेलवे स्टेशन से केंद्रीय रेल राज्य मंत्री दर्शनाबेन जरदोश ने रेलवे विभाग की परियोजनाओं के शिलान्यास और शुभारंभ कार्यक्रम में भाग लिया

सूरत । प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की वर्चुअल उपस्थिति में रेलवे विभाग ने रु. 85 हजार करोड़ से अधिक की विभिन्न रेलवे परियोजनाओं का ई-शिलान्यास, शुभारंभ कार्यक्रम हुआ. जिसमें सूरत सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शनाबेन जरदोश मौजूद रहीं. उन्होंने सूरत रेलवे स्टेशन पर 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट स्टॉल' का उद्घाटन किया। जिसमें स्थानीय कारीगरों के आभूषण, जरी और कढ़ाई वाले कपड़े जैसे उत्पादों को ग्राहक और बड़ा सुलभ बाजार मिलेगा। रेल यात्रियों के लिए स्थानीय उत्पाद खरीदना आसान हो जाएगा।

इस मौके पर रेल राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार से विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए लाखों करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात मिल रही है. रेलवे विभाग में किये गये कार्यों का ब्योरा दिया गया. सूरत रेलवे स्टेशन के नवीनीकरण के संबंध में कहा कि निकट भविष्य में सूरत रेलवे स्टेशन को देश के पहले मल्टी-मॉडल रेलवे स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां रेलवे, जीएसआरटीसी, सिटी बस टर्मिनल स्टेशन को एकीकृत करके निर्बाध परिवहन कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी। और मेट्रो. नया अत्याधुनिक स्टेशन भवन आर्थिक गतिविधियों के साथ-साथ व्यवसाय, व्यापार और वाणिज्य का केंद्र बन जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल वंदे भारत सुपरफास्ट ट्रेन वडोदरा, सूरत, वापी और बोरीवली स्टेशनों पर रुकेगी। इससे सूरतीयों को लाभ मिल सकेगा। प्रदेश और केंद्र सरकार के डबल इंजन के सुशासन से विकास कार्य तेजी से साकार हो रहे हैं।

श्री श्याम निशान पूजन एवं भजन संध्या गुरुवार को

सुरत भुमि, सूरत।

श्याम युवा'स ग्रुप द्वारा छठवीं खाटूधाम यात्रा के उपलक्ष में श्री श्याम निशान पूजन एवं भजन संध्या का आयोजन गुरुवार को किया जाएगा। इस मौक़े पर बाबा श्याम का भव्य एवं आलौकिक दरबार वेसू केनाल रोड़ स्थित शांतम हॉल में सजाया जाएगा। शृंगारित दरबार के समक्ष रात्रि आठ बजे से अखण्ड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी एवं निशानों की पूजा की जायेगी। इसके पश्चात भजन संध्या में स्थानीय गायक कलाकार रवि खाटूवाला भजनों एवं धमाल की प्रस्तुति देंगे। आयोजन में पुष्प-वर्षा, इत्र फुहार आदि कार्यक्रम भी होंगे। खाटूधाम यात्रा 17 को - श्याम युवा'स द्वारा खाटूधाम के लिए सौ से अधिक युवा भक्त रविवार, 17 मार्च को रवाना होकर अगले दिन पैदल यात्रा करके बाबा को निशान अर्पण करेंगे।

एयरटेल ने सूरत में सभी कर्मचारियों को ग्राहकों से साथ व्यावहारिक संपर्क के लिए फ्रंटलाइन टीमों में शामिल करके ग्राहक दिवस मनाया

सूरत । भारत के प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाताओं में से एक, भारती एयरटेल ("एयरटेल") ने आज देश में अपने सभी कार्यालय स्थानों पर ग्राहक दिवस मनाया। ऐसे सभी एयरटेल कर्मचारी, जो सीधे ग्राहकों से संपर्क बनाए रहते हुए काम करने की जिम्मेदारियों में नहीं थे, वे अपनी रोजमर्रा की भूमिकाओं से बाहर निकलकर ग्राहकों के सीधे बातचीत करने के लिए फ्रंटलाइन कर्मचारियों में शामिल हुए।

देश के सभी एयरटेल कार्यालय स्थानों के कर्मचारियों ने बाजारों में होम डिलीवरी इंजीनियरों, फाइबर एक्सक्यूटिव्स और रिटेल कर्मचारियों के साथ काम किया। इन कर्मचारियों में शीर्ष सीनियर लीडरशिप टीम से लेकर सभी कार्यालयों के जूनियर मैनेजर तक सभी शामिल रहे।

ग्राहक दिवस, एयरटेल की कई पहलों का एक हिस्सा है, जो ग्राहकों को सबसे अधिक महत्व देने के एयरटेल के सिद्धांत पर केंद्रित हैं। अपने सभी कर्मचारियों को ग्राहकों से प्रत्यक्ष मिलने-जुलने का अवसर देकर, एयरटेल का लक्ष्य ग्राहकों के दृष्टिकोण और ग्राहकों की जरूरतों खासकर उनकी चिंताओं और सुझावों को समझकर उनका कंपनी के साथ जुड़ाव बढ़ाना है। कंपनी को विश्वास है कि "ग्राहक दिवस" हमारी कंपनी में विभिन्न कार्यों के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों को "देखने-समझने का नया नज़रिया" देगा और पूरे संगठन में ग्राहकों को अधिक से अधिक सुविधाएं देने के लिए काम करने की लगन जगाने के लिए नई मानसिकता और संस्कृति को उजागर करेगा। इस बारे में और जानकारी पाते रहने के लिए, सोशल मीडिया चैनलों पर #LetsPaintItRed को फॉलो करें।

स्विस ब्यूटी ने ऑफलाइन विस्तार करने की घोषणा की: 2024-25 तक रिटेल टचप्वा इंट्स की संख्या दोगुनी बढ़ाकर 30,000 तक पहुँचाने का लक्ष्य

सूरत।

भारत के अग्रणी और भरोसेमंद कलर कॉस्मेटिक्स ब्रांड, स्विस ब्यूटी ने देश भर में अपनी मौजूदगी बढ़ाने का फैसला किया है। कंपनी ने अपनी रिटेल उपस्थिति का विस्तार करने और वित्त वर्ष 2024 में टियर 2 और स्मार्ट शहरों में अपनी पहुंच बढ़ाने की महत्वाकांक्षी योजना का खुलासा किया। सबसे अधिक इनोवेटिव कलर कॉस्मेटिक्स भारतीय ब्रांड मार्च 2024-25 तक भारत के 12 शहरों में अपने एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट्स (ईबीओ) की संख्या दोगुना करने जा रहा है। बेहद तेजी से विस्तार करने की अपनी रणनीति के माध्यम से, स्विस ब्यूटी अपने उच्च-गुणवत्तापूर्ण, प्रीमियम और तरह-तरह की वैरायटी वाले सौंदर्य उत्पादों को अपने ग्राहकों के और करीब उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत में 550 से अधिक शहरों में लगभग 25,500 रिटेल टचप्वातइंट्स के साथ स्विस ब्यूटी का लक्ष्य इस वर्ष अपनी ऑफलाइन रिटेल मौजूदगी के विस्तार की तेज रफ्तार का लाभ उठाना है। ब्रांड ने वर्ष 2024-25 में पूरे भारत में अतिरिक्त 147 ब्यूटी असिस्टेड आउटलेट्स खोलने और सामान्य व्यापार में मौजूदा संपर्क केन्द्रों की संख्या में 450 से अधिक की वृद्धि करने की योजना बनाई है। लोगों का यह मनपसंद बीएफएफ ब्यूटी ब्रांड 11 नए शहरों में अपने ब्यूटी असिस्टेड स्टोर का उद्घाटन करेगा, जिनमें अहमदाबाद, सूरत, मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, चंडीगढ़, पंजाब, हैदराबाद, लखनऊ, कोलकाता और बेंगलुरु जैसे प्रमुझ बाज़ार शामिल हैं।

स्विस ब्यूटी फिलहाल एलांटे मॉल चंडीगढ़, सेलिब्रेशन मॉल उदयपुर, लूलू मॉल लखनऊ, एमानोरा मॉल - पुणे, मणि स्वै फिलयर - कोलकाता, वीआर मॉल - सूरत, मंत्री मॉल - बेंगलुरु, डीबी मॉल - भोपाल, और मॉल ऑफ़ अमृतसर सहित अनेक शानदार शॉपिंग केन्द्रों में मौजूद है।

स्विस ब्यूटी के सीईओ, साहिल नायर ने कहा कि, "भारतीय ब्यूटी और पर्सनल केयर उद्योग में वृद्धि की भारी गुंजाइश है, क्योंकि कॉस्मेटिक्स बुनियादी हाइजीन उत्पादों से आगे बढ़ते हुए लाइफस्टाइल संबंधी विकल्प बनते जा रहे हैं। हमें स्विस ब्यूटी में कलर कॉस्मेटिक्स के वैश्विक मानकों को पेश करके और नई जगहों में अपने ग्राहकों के ज्यादा करीब उच्च कार्यप्रदर्शन वाली मेकअप सामग्रियाँ उपलब्ध कराकर उत्साकहित हैं। चूँकि हमारी आमदनी का 60त्न हिस्सा ऑफलाइन बाज़ारों से आता है, हम अपने रिटेल टचप्वाइंट्स को अगले 12 महीनों में विस्तारित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसके साथ हम पहले से मौजूद अपने 25,000 से अधिक टचपॉइंट्स के मजबूत नेटवर्क में नई जगहों को शामिल करके इनकी संख्या 30,000 तक पहुँचाने की दिशा में बढ़ रहे हैं।"

नथिंग फोन (2a) की बिक्री हो गई है शुरु

लंदन स्थित टेक कंपनी नथिंग को आज यह बताते हुए खुशी हो रही है कि फोन (2a) अब फ्लिपकार्ट, क्रोमा, विजय सेल्स और अन्य प्रमुख आउटलेट्स पर खरीदने के लिए उपलब्ध है।

मीडियाटेक के साथ मिलकर तैयार किया गया डाइमेंशन 7200 प्रो प्रोसेसर की खूबी वाला फोन (2a) रैम बूस्टर तकनीक के साथ 20 जीबी (12 जीबी + 8 जीबी) रैम एवं बेमिसाल पावर दक्षता और शानदार स्पींड सुनिश्चित करता है। स्मार्ट क्लीन और एडेप्टिव एनटीएफएस जैसे ऑप्टी माइजेशन के साथ, नथिंग और मीडियाटेक ने बिजली की खपत को 10त्न तक कम कर दिया है। डिवाइस में अधिक समय तक चलने वाली 5,000 mAh की बड़ी बैटरी है, जो रेपिड पावर-अप के लिए 45W फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। ट्रूलेन्स इंजन द्वारा पावर्ड

और फ्लोलेस डुअल 50 एमपी रियर कैमरे और 32 एमपी फ्रंट कैमरे से सुसज्जित, फोन (2a) जीवन के यादगार लम्हों को सटीकता के साथ कैप्च र करता है। इसका 6.7" का फ्लैक्सीसबल AMOLED डिस्प्ले 1,300 nits की अधिकतम ब्राइटनेस और 120 हर्ट्ज के रिफ्रेश रेट के साथ बेहतरीन विजुअल प्रदान करता है। फ़ोन (2a) नथिंग की अनूठी डिज़ाइन एक्स प्रेशन को दर्शाता है, जिसमें इंडस्ट्रीा का पहला 90ए कोण वाला यूनिबॉडी कवर और एक अभिनव कैमरा प्लेसमेंट शामिल है। एंड्रॉइड 14 के साथ नथिंग ओएस 2.5 पर चलने वाला, फोन (2a) उन्नत विजेट और एआई-पावर्ड की खूबियों के साथ एक शानदार यूजर अनुभव प्रदान करता है।

फ़ोन (2a) फ्लिपकार्ट, क्रोमा, विजय सेल्स और अन्य प्रमुख आउटलेट्स पर व्हाइट और ब्लैक रंगों में उपलब्ध होगा - 8GB/128GB (रू23,999/-), 8GB/256GB (रू25,999/-) 12GB / 256GB (रू27,999/-). एचडीएफसी कार्ड यूजर्स को रू2,000/- की तुरंत छूट और ऑनलाइन ट्रांजेक्श न पर NCEMI लाभ मिलते हैं।

इसके अतिरिक्त, जो भी व्यटक्ति 12 मार्च - 19 मार्च के बीच फोन (2a) खरीदता है, वह 1 वर्ष तक की पर्प्लेक्सिटी प्रो सब्स्क्रिप्शद्धन का पात्र है। कृपया फोन (2a) की डिलीवरी के 5 दिन बाद nothing.tech इंडिया पर इसे रिडीम करें।

पर्प्लेक्सिटी की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है क्योंकि एक ऐसे प्लेकटफार्म की स्पष्ट मांग है जो सूचना ओवरलोड के शोर को कम करता है, एक ऐसे युग में सटीक, यूजर्स-केंद्रित समाधान प्रदान करता है जहां समय मूल्यूवान है। नथिंग इस मिशन का चैंपियन है और फ़ोन (2a) यूजर्स के लिए यह अवसर लाने के लिए उत्सुक है। अधिक जानकारी के लिए, कृपया nothing.tech/perplexity पर जाएँ।

रियलमी ने 16999 रुपये के शुरुआती मूल्य में रियलमी 12 सीरीज 5जी पेश करके मिड-प्रीमियम सेगमेंट में हलचल मचाई

नई दिल्ली । भारत के सबसे विश्वसनीय स्मार्टफोन सेवा प्रदाता, रियलमी ने आज रियलमी 12 सीरीज 5जी पेश की है। रियलमी 12 सीरीज 5जी सीरीज में दो शानदार स्मार्टफोन- रियलमी 12+ 5जी और रियलमी 12 5जी लॉन्च किए गए हैं। यह रियलमी के सफर में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो इसकी 'मेक इट रियल' और ब्रांड की एक रिफ्रेश्ड पहचान के अनुरूप है, जो यव यूज़र्स की जरूरतों से मेल खाती है।

मिड-रेंज स्मार्टफोन के मानक बढ़ाते हुए और प्लस अनुभव प्रदान करते हुए रियलमी 12+ 5जी एक विशेष स्मार्टफोन है, जिसमें ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइज़ेशन (ओआईएस), 2एक्स इन-सेंसर ज़ूम और सिनेमैटिक 2एक्स पोर्ट्रेट मोड के साथ सेगमेंट का पहला 50 मेगापिक्सल का सोनी लाइट-600 मुख्य कैमरा दिया गया है, जो बहुत ही स्पष्ट, डीएसएलआर जैसा पोर्ट्रेट कैप्चर करने में सक्षम है। इसका 112ए अल्ट्रा-वाइड कैमरा और 16मेगापिक्सल एचडी सेल्फी कैमरा शानदार सेल्फी लेता है। इसमें 120हर्ट्ज़ का अल्ट्रा-स्मूथ एमोलेड डिस्प्ले और 67वॉट की सुपरवूक चार्जिंग दी गई है। यह स्मार्टफोन लंबे समय तक चले इसके लिए इसमें 5000 एमएएच की शक्तिशाली बैटरी लगी है। इसमें 256 जीबी तक की स्टोरेज और डायनामिक रैम तथा आईपी54 डस्ट एवं वाटर रेजिस्टेंस जैसी शानदार विशेषताएं भी हैं। यह एंड्रॉयड 14 पर आधारित रियलमी यूआई 5.0 पर चलता है। रियलमी 12+ 5जी पायोनियर ग्रीन और नेविगेटर बेज में दो स्टोरेज वैरिएंट 8जीबी+128 जीबी, 20999 रुपये में और 8 जीबी+256जीबी 21999 रुपये में उपलब्ध होगा। 8जीबी+256जीबी वैरिएंट रियलमी.कॉम और फ्लिपकार्ट पर 9 महीने तक की नो कॉस्ट ईएमआई और 1000 रुपये के बैंक ऑफर के साथ मिलेगा। मेनलाइन चैनलों से यह स्मार्टफोन खरीदने पर इसके साथ 3998 रुपये मूल्य का रियलमी बड्स टी300 मिलेगा। 8जीबी+128जीबी वैरिएंट पर बैंक ऑफर में 2000 रुपये तक की छूट और रियलमी.कॉम एवं फ्लिपकार्ट पर 1000 रुपये का मूल्य ऑफर मिलेगा। इसके अलावा, रियलमी.कॉम पर 9 महीने तक की और फ्लिपकार्ट पर 6 महीने तक की नो कॉस्ट ईएमआई का लाभ भी मिलेगा।

आईकू ने #फुली लोडेड Z9 को सेगमेंट लीडिंग परफॉर्मेंस और सोनी आईएमएक्स882 कैमरे के साथ किया लॉन्च

हाई-परफॉर्मेंस स्मार्टफोन ब्रांड आईकू ने आज भारत में अपने ' सीरीज पोर्टफोलियो से #फुलीलोडेड स्मार्टफोन - आईकू Z9 लॉन्च किया है।

मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7200 5G 4nm प्रोसेसर द्वारा संचालित, आईकू Z 9 730K+ के AnTuTu स्कोर के साथ जबरदस्त प्रदर्शन का वादा करता है, जो इसे सेगमेंट में सबसे तेज बनाता है। यह सेगमेंट के पहले सोनी आईएमएक्स 882 रियर कैमरा सिस्टम, ओआईएस क्षमता के साथ 4K वीडियो रिकॉर्डिंग और 1800 निट्स पीक लोकल ब्राइटनेस के साथ सबसे चमकदार 120 हर्ट्ज अमोल्ड डिस्प्ले होने का भी दावा करता है। डुअल स्टीरियो स्पीकर म्यूजिक, ओटीटी वीडियो और गेम के लिए सराउंड साउंड प्रदान करते हैं। बोल्ड रियर कैमरा मॉड्यूल और ब्रश टेक्सचर्ड डिज़ाइन डिवाइस में सिर्फ 7.83 मिमी की मोटाई के साथ एक बेहतरीन टच जोड़ते हैं। यह स्मार्टफोन आउट ऑफ द बॉक्स एंड्रॉइड 14 पर आधारित फनटच ओएस 14 के साथ आएगा।

आईकू Z9 स्मार्टफोन आईकू ई-स्टोर और अमेज़न.इन दोनों पर उपलब्ध होगा। 8GB + 128GB वाले मॉडल की प्रभावी कीमत INR 17,999 (MOP रू19,999) होगी और 8GB + 256GB वाले मॉडल की INR 19,999 (MOP रू21,999) होगी। स्पेशल लॉन्च ऑफर में INR 2000 की इंस्टेंट बैंक डिस्काउंट और 3 महीने की बिना नो कॉस्ट EMI शामिल है। यह स्मार्टफोन दो प्रीमियम और एक्सक्लूसिव कलर वेरिएंट, ब्रश्ड ग्रीन और ग्रेफीन ब्लू में आता है, जो इसे एक स्टेटमेंट पीस बनाता है जो फंक्शनैलिटी और स्टाइल का शानदार मिश्रण है।

लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए आईकू के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर निपुण मार्या ने कहा, " आईकू में, हम हमेशा आगे बढ़ने वाली मल्टीटास्किंग GenZ की लगातार बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे पिछले Z सीरीज उत्पादों के लिए हमारे उपभोक्ताओं द्वारा दिखाए गए जबरदस्त उत्साह से प्रेरित होकर, हम आईकू Z9 को पेश करके पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहे हैं। फोटोग्राफी के अनुभव को ऊंचा करते हुए इसमें सेगमेंट का पहला सोनी आईएमएक्स 882 ओआईएस रियर कैमरा शामिल है। GenZ के लिए तैयार किया गया यह डिवाइस स्टाइल और परफॉर्मेंस को एक साथ लेकर आता है, जो कॉलेज जाने वालों के लिए एकदम सही मिश्रण प्रदान करता है जिसे वे गर्व से दिखा सकते हैं।

अमेज़ॅन इंडिया के वायरलेस और होम एंटरटेनमेंट के डायरेक्टर श्री रंजीत बाबू ने कहा, "आईकू Z9 5जी के लॉन्च पर आईकू की टीम को बधाई , यह एक फुली लोडेड स्मार्टफोन है जो अत्याधुनिक और सेगमेंट-फर्स्ट फीचर्स के साथ एक नया बेंचमार्क स्थापित करेगा। जैसा कि भारत में ई-स्पोर्ट्स की रफ्तार पकड़ रही है, हम ग्राहकों की ओर से परफॉर्मेंस सेंट्रिक स्मार्टफोन की मांग बढ़ रही है, और आज का लॉन्च निश्चित रूप से एक पॉवरफुल डिवाइस की उनकी आवश्यकता को पूरा करने में मदद करेगा जो कि अच्छे दाम में भी है। हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि प्राइम सदस्यों को 13 मार्च 2024 को ही खरीद के लिए शुरुआती पहुंच प्राप्त होगी, साथ ही साथ 2000 रुपये की तत्काल बैंक छूट और मौजूदा आईकू और वीवो ग्राहकों

के लिए एक्सचेंज पर सीमित समय के लिए अतिरिक्त 500 रुपये की छूट मिलेगी। साथ ही, अमेज़न पे लेटर के साथ, ग्राहक मिनटों में परेशानी मुक्त तत्काल लोन का लाभ उठा सकते हैं, जिससे स्मार्टफोन के लिए भारत के सबसे पसंदीदा* ऑनलाइन गंतव्य पर क्रेडिट कार्ड की आवश्यकता के बिना 3 महीने तक की बिना लागत वाली किस्तों का लाभ उठाया जा सकता है।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)